भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 4 मार्च - 10 मार्च, 2026

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

चैत्र, पक्ष - कृष्ण, तिथि - प्रतिपदा, संवत 2082 | पृष्ठ : 8 | बुधवार | वर्ष-12, अंक-1, | मूल्य ₹ 5/- | वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- | jagrukjanta.net

समय के साथ-साथ बदलने लगा है शोक अभिव्यक्ति का तरीका!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

अमीरों के संसार में हर कार्य में अपना प्रभाव और हैसियत का दिखावा होता है। मगर, अब गरीब भी इसकी चपेट में आने लगा है। जन्म ले लो, चाहे परण ले लो। इन दोनों में तो माना कि प्रसन्नता का अवसर होता है। इसलिए दिखावा होता है। मगर, मरण में दिखावे की क्या जरूरत है। मृत्यु को तो दुःखद माना जाता है। शोक संदेश प्राप्त होते हैं जिनमें ईश्वर से असीम दुख को सहने करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की जाती है। लोग ढांढ़स बंधाने जाते हैं। अखबारों में शोक संदेश के विज्ञापन छपने लगे हैं। शोक संतप्त परिवार तो सूचना के लिए छपवाता है, मगर रिश्तेदार या बिजनेस पार्टनर भी अपनी तरफ से बड़े-बड़े कलरफुल विज्ञापन छपवा कर शोक प्रकट करते हैं। ये सब क्या है दिखावा ही तो है। यूं तो जब कोई परिवार का सदस्य हमेशा के लिए हमसे दूर चला जाता है तब दुख तो होता ही है। कभी-कभी तो यह दुःख असहनीय होते हुए भी सहना पड़ता है। मगर, आजकल शोक सभाओं के आयोजन में बजाए दुःख प्रकट करने के दिखावा ज्यादा होने लगा है। पुरुष तो मान लो जैसा है उसी स्थिति में शोक सभा में पहुंच जाता है। मगर महिलाएं दिखावा करने के लिए आजकल सज-धज कर जाने लगी हैं। शोक सभा पहले तो घर-आंगन में ही हो जाती थी या यों कहें कि मृत्यु के दिन से 12 दिन पर्यन्त शोक प्रकट करने के लिए सगे-संबंधी या मित्र लोगों का घर पर आना-जाना लगा रहता था। अब समय अभाव के कारण एक ही दिन इस कार्य को निपटा कर अपने काम-धंधे संभालने लग जाते हैं। खैर ये अलग विषय है हम बात कर रहे थे दिखावे की। तो शोक सभा स्थल पर बुजुर्गों के लिए जो जमीन पर आसानी से बैठ नहीं पाते हैं उनके लिए कुर्सियों की व्यवस्था भी की जाती है, मगर उन कुर्सियों पर बजाए बुजुर्गों के चाहे वे महिलाएं हों या पुरुष जवान भी बैठने लगे हैं। मंच से पंडितजी भगवान की कथा सुनाते रहते हैं इसी बीच सभा में आए लोग धीमे-धीमे अन्य चर्चाएं और हंसी-ठिठोली करते रहते हैं। शोक-सभा में आयोजकों की तरफ से पानी आदि की भी व्यवस्था होने लगी है। पानी की व्यवस्था तो श्मशान में दाह-संस्कार के समय भी होने लग गई है। हो सकता है आने वाले समय में वहां चाय-नाश्ता भी पहुंचने लगे। जब श्मशान में चाय-नाश्ता पहुंचने लगेगा तो शोकसभाओं में तो चाय-नाश्ता पहले ही पहुंचेगा। और इसकी शुरुआत जल्दी ही हो जाएगी। ऐसा परिस्थितियों और लोगों के हाव-भाव से दिखने लगा है। जैसे शादी विवाह के लिए बड़े-बड़े हॉल बुक किए जाते हैं वैसे ही अब शोक सभाओं के लिए भी वातानुकूलित हॉल बुक किए जाने लगे हैं। शोक अब शोक नहीं रह गया है। यह अब वैभव दिखाने का माध्यम बनता जा रहा है।

shivdayalmishra@gmail.com

लंबी और भयानक होती लड़ाई

इस्त्राइल ने लेबनान के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया

ईरान का सऊदी अरब में US एंबेसी पर ड्रोन से हमला

अमेरिका ने सऊदी अरब और कुवैत में एंबेसी बंद की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

ईरान और इस्राइल-अमेरिका युद्ध के चौथे दिन लड़ाई और तेज हो गई। मंगलवार को इस्राइली फौज ने दावा किया कि उसने दक्षिण लेबनान के इलाकों पर कब्जा कर लिया है। यहां ईरान समर्थित विद्रोही संगठन हिजबुल्लाह से उसका संघर्ष बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने सऊदी अरब और कुवैत में अपने दूतावास ईरान के ड्रोन हमले के बाद बंद कर दिए हैं। उसने संघर्ष बढ़ता देख पश्चिम एशिया के 14 मुल्कों से देशवासियों को तुरंत वापस लौटने को कहा है। भारत ने भी मौजूदा हालात पर चिंता जताई है। साथ ही उसने कहा कि युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस बीच एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि ईरान बातचीत करना चाहता है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान की एयर डिफेंस, एयरफोर्स, नेवी और लीडरशिप खत्म हो गई है। ईरान हमसे बात करना चाहता है, लेकिन मेरे खयाल से बातचीत के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। ईरान ने चौथे दिन जवाबी हमले का दायरा बढ़ाया। इस्राइली फौज ईरान में और हमले कर रही है। एयर बेस पर हवाई हमले में 13 ईरानी सैनिकों की मौत हो गई। उसने लेबनान की राजधानी बेरूत में ईरान के हथियारों के गोदाम को निशाना बनाया। ईरान समर्थक हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने मंगलवार को भी इस्राइल पर ड्रोन से हमले किए। युद्ध के फैलने का डर लेबनान में इस्राइल के आगे बढ़ने से पैदा हुआ है। लग रहा है कि वह यहां लंबी जमीनी लड़ाई लड़ने के मूड में है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपने लोगों से पश्चिम एशिया छोड़ने को कहा है। इस बीच, भारत ने संघर्ष के बढ़ने और इसमें मरने वाले नागरिकों की संख्या बढ़ने पर चिंता जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस जंग से क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नुकसान हो रहा है। युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका को देखते हुए भारतीय पश्चिम एशिया से देश लौटने लगे हैं।

लौटने की खुशी: जंग की वजह से दुबई में बच्चों के साथ फंसा परिवार मुंबई लौटा तो एयरपोर्ट पर इस तरह स्वागत हुआ।

फंसे हुए 2 हजार भारतीय लौटे

- पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों को लेकर फ्लाइट्स दिल्ली समेत दूसरे एयरपोर्ट पर आईं।
- मंगलवार शाम तक खाड़ी से भारत 2 हजार लोग आ चुके हैं। एयर इंडिया ने US-यूरोप के लिए भी फ्लाइट शुरू की।
- इंडिगो जेद्दा से भारत के लिए 10 स्पेशल रिलीफ फ्लाइट ऑपरेट कर रहा है। वह UAE से भी फ्लाइट ऑपरेट करेगा।

इस्त्राइल का हमला: इस्त्राइल की सेना हमले के साथ-साथ लेबनान मे सैन्य अभियान चला रही है।

अब तक कहां क्या हुआ?

- इस्त्राइल का दावा, ईरान के राष्ट्रपति ऑफिस और सिक्योरिटी काउंसिल की इमारत को निशाना बनाया।
- बढ़ते तनाव के बीच एंबेसी ने भारत के ज्यादातर स्टूडेंट्स को तेहरान से बाहर पहुंचाया।
- विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर सवार कम-से-कम तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। एक घायल है।
- 1100 से अधिक नाविकों समेत भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फारस और ओमान की खाड़ी में फंसे हुए हैं।
- होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से क्रूड ऑयल में उछाल आया है। मंगलवार को 83 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर ट्रेड कर रहा था।
- सरकार ने कहा, 50 दिनों तक की जरूरत पूरी करने लायक क्रूड ऑयल का भंडार है।
- पी. वी. सिंधु बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी। वह दुबई से लौट आई हैं।

भारतीयों की सुरक्षा पर चर्चा

कुवैत समेत 3 देशों के नेताओं से PM की बात

पीएम नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की। उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई। फोन पर हुई बातचीत में पीएम ने इन नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों की सुरक्षा पर भी चर्चा की। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी

ईरान में एकसाथ दफनाई गईं बच्चियां

ईरान में मिनाब के स्कूल पर US-इस्राइली बमबारी में 165 बच्चियों की जान चली गई थी। उन्हें दफनाने के लिए एक ही जगह पर कब्र खोदी गई। ईरान के विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, यह दिखाता है कि गाजा से लेकर मिनाब तक मासूमों की बेरहमी से हत्या की गई।

ईरान से बातचीत के लिए हुई बहुत देर

ईरान की एयर डिफेंस, एयरफोर्स, नेवी और लीडरशिप खत्म हो गई है। ईरान हमसे बात करना चाहता है, लेकिन बातचीत के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। -डॉनल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, US

हम पूरी दुनिया की सुरक्षा कर रहे

ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी दुनिया के लिए खतरा है। सेना की कार्रवाई का मकसद केवल इस्राइल की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा करना है। -बेन्यामिन नेतन्याहू, पीएम, इस्राइल

राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत

हम गवर्नरों से सीधे संपर्क में हैं। स्थिति असाधारण है, लेकिन देश रुका नहीं है। देशभर में गतिविधियां जारी है। राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। -मसूद पेजेशकियान, राष्ट्रपति, ईरान

खामेनेई की हत्या का ऐसे बनाया गया था प्लान...

शनिवार को हवाई हमले में आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या हुई तो उसे इस्राइली लाइव देख रहे थे। फाइनैंशल टाइम्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें बताया गया है कि ईरान की राजधानी तेहरान के करीब-करीब सारे ट्रैफिक कैमरे को इस्राइलियों ने वर्षों से हैक कर रखा था। उनमें से एक कैमरा जिस एंगल पर लगा था, वह काफी काम का साबित हुआ। इससे इस्राइलियों को अंदाजा लगा कि खामेनेई की सुरक्षा टीम के लोग अपनी कारें कहां पार्क करेंगे। खामेनेई जहां रहते थे, उस इमारत के अंदर क्या हो रहा है, इससे उसकी भी जानकारी मिल रही थी। इससे खामेनेई की हत्या का रास्ता खुला।

ईरान के सुप्रीम लीडर की हमले में जान चली गई थी

मुख्यमंत्री निवास पर होलिका दहन : मुख्यमंत्री शर्मा ने की प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार मध्यरात्रि के पश्चात सिविल लाइन्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने यहां राज राजेश्वरी मंदिर प्रागंण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया। इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने जवानों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की। होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एयर इंडिया की बुधवार को भी रद्द रहेंगी पश्चिम एशिया की उड़ानें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गत 28 फरवरी से जारी भू-राजनैतिक संकट के बीच टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने बुधवार को भी पश्चिमी एशिया की अपनी सभी नियमित उड़ानें रद्द रखने की घोषणा की है हालांकि वहां फंसे यात्रियों को निकालने के लिए वह विशेष उड़ानों का परिचालन कर रही है। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि उसकी संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इजरायल और कतर को जाने वाली उड़ानें 04 मार्च को भी रद्द रहेंगी। उन्होंने बताया कि उत्तरी अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप को जाने वाली उड़ानें अब शिड्यूल के अनुसार परिचालन कर रही हैं। इन उड़ानों को परिवर्तित मार्गों से चलाया जा रहा है ताकि हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों का पालन किया जा सके।

होली गिफ्ट BCAS देगा सर्टिफिकेट, फ्लाइट ऑपरेशन शुरू करने के लिए मिलेगा 45 दिनो का समय

नोएडा एयरपोर्ट को शर्तों के साथ NOC आज!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट को लेकर अच्छी खबर है। अगर सब कुछ सही रहा तो आज यानी रंगों वाली होली के दिन नोएडा एयरपोर्ट को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) से NOC मिल जाएगी। यह NOC कुछ शर्तों के साथ दी जाएगी।

सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि BCAS की तरफ से जेवर स्थित नोएडा एयरपोर्ट को मिलने वाली यह NOC कंडिशनल होगी। इसके तहत एयरपोर्ट का उद्घाटन तो हो जाएगा, लेकिन यहां से यात्री फ्लाइट ऑपरेशन शुरू नहीं हो सकेगा। इसके लिए 45 दिनों का समय दिया जाएगा।

इस समय अवधि के दौरान नोएडा एयरपोर्ट को सुरक्षा से संबंधित वे तमाम जरूरी मानक पूरे करने होंगे, जो अभी तक नहीं हो पाए हैं। इसमें सबसे बड़ी कमी यहां की चारदीवारी का अभी तक पूरी तरह नहीं बन पाना है। काफी हिस्से में अभी फेंसिंग की गई है। इसे कंक्रीट की दीवार में बदलना होगा।

इसके अलावा CCTV कैमरे, एयरोब्रिज और अन्य दूसरी भी कमियां हैं, जिन्हें 45 दिनों में पूरा करना होगा। अगर इस समयसीमा के अंदर इन कमियों को नोएडा एयरपोर्ट पूरा नहीं कर पता है, तो यहां से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू नहीं हो पाएगा। बताया गया कि यह तभी शुरू होगा, जब ये सारी कमियां दूर हो जाएंगी।

इस दौरान नोएडा एयरपोर्ट को BCAS से NOC मिलने के बाद एविएशन रेगुलेटर DGCA से भी एनओसी लेने की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। DGCA से NOC मिले बिना किसी भी सूरत में यहां से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू नहीं हो सकेंगे।

नोएडा एयरपोर्ट पर पूरे करने होंगे अधूरे काम।

दूसरी NOC भी जल्द

उम्मीद है DGCA से भी जल्द NOC मिल जाएगी, लेकिन कंडिशन वही 45 दिन की रहेगी। 45 दिनों में नोएडा एयरपोर्ट को सुरक्षा, एयरोड्रम और अन्य तमाम चीजों को पूरा करना होगा। उसके बाद से पैसेंजर फ्लाइट को टेकऑफ और लैंडिंग की परमिशन दी जाएगी।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

आईपीएल से पहले एसएमएस स्टेडियम होगा चमाचम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मानसिंह स्टेडियम इस बार आईपीएल मुकाबलों से पहले नए रंग-रूप में नजर आएगा। राज्य सरकार करीब 20 करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम में बड़े स्तर पर सुधार कार्य करवा रही है। ग्राउंड, स्टैंड, फ्लड लाइट, पवेलियन और बिजली व्यवस्था सहित हर हिस्से को अपडेट किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिल सकें। जानकारी खेल सचिव नीरज कुमार पवन दी है।

4 हजार नई सीटें

स्टेडियम में लगी करीब 18 हजार कुर्सियों में से टूटी सीटों को बदला जा रहा है। इसके अलावा 4 हजार नई कुर्सियां भी लगाई जाएंगी। पूरे स्टेडियम में पेंटिंग का काम जारी है और इस बार मैचों के दौरान पूरा स्टेडियम गुलाबी रंग में नजर आएगा। ईस्ट स्टैंड के पीछे अतिरिक्त सीटें लगाने और खेल भवन क्षेत्र में भी दर्शकों के बैठने की व्यवस्था पर मंथन चल रहा है।

सुरक्षा पर फोकस

दर्शकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खुले बिजली तारों और बॉक्स को कवर किया जा रहा है। साउथ पवेलियन के फर्स्ट फ्लोर पर बने इलेक्ट्रिसिटी रूम को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया जा रहा है। स्टेडियम की मजबूती जांचने के लिए 35 हजार किलो वजन रखकर लोड टेस्ट किया गया है, ताकि मैच के दौरान किसी तरह की तकनीकी समस्या न आए।

फ्लड लाइट की जगह एडवांस LED

करीब 18 साल पहले लगी फ्लड लाइट्स को हटाकर अब नई तकनीक वाली LED फ्लड लाइट लगाई जाएंगी। इनमें रोशनी का स्तर जरूरत के अनुसार कम या ज्यादा किया जा सकेगा। इससे ऊर्जा की बचत होगी और संचालन आसान होगा। नॉर्थ और साउथ पवेलियन के पुराने एसी भी बदले जा रहे हैं, ताकि दर्शकों को गर्मी से राहत मिले। इसके अलावा 25 लाख रुपए की लागत से 250 KVA का एडवांस जनरेटर खरीदा गया है, जिससे बिजली बाधित होने की स्थिति में सप्लाई जारी रहेगी।

ड्रेसिंग रूम भी बदलेगा

साउथ पवेलियन (शेन वॉर्न गैलरी) के साथ खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम और टॉयलेट्स का भी नवीनीकरण किया जा रहा है। सरकार ने मार्च तक सभी काम पूरे करने का लक्ष्य रखा है, ताकि अप्रैल में होने वाले आईपीएल मुकाबलों के दौरान स्टेडियम विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ तैयार रहे।

जागरूक खबरें

राज्य सभा चुनावों में उम्मीदवार बनाये जाने पर नितिन नवीन को पूनियां ने दीं शुभकामनायें

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा के प्रभारी डॉ सतीश पूनियां ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को राज्य सभा चुनावों में बिहार की ओर से उम्मीदवार बनाये जाने पर शुभकामनाएं दी हैं। डॉ पूनियां ने इसके साथ ही हरियाणा से संजय भाटिया, बिहार से शिवेश कुमार, असम से तेराश गोवाला एवं जोगेन मोहन, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा, ओडिशा से मनमोहन सामल एवं सुजीत कुमार तथा पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किये जाने पर हार्दिक बधाई दी।

हिन्दुस्तान जिंक के कर्मचारियों में अब 26.3 प्रतिशत महिलाएं

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। विश्व की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक और चांदी के वैश्विक शीर्ष पांच उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड में कर्मचारियों की कुल संख्या में अब 26.3 प्रतिशत महिला कार्मिक हैं, जो देश में धातु और खनन क्षेत्र में सबसे अधिक है। कंपनी द्वारा राजस्थान में उदयपुर में जारी विज्ञप्ति में कहा है कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसे पारंपरिक रूप से पुरुषों का काम माना जाता रहा है। कंपनी में अब 745 से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं, जिनमें 314 से अधिक महिला इंजीनियर शामिल हैं। ये महिलाएं भूमिगत खदानें, भट्टियां और तकनीकी कार्यों जैसी प्रमुख भूमिकाओं में कार्य कर रही हैं।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में गूंजी किलकारी, मादा हिप्पो 'राजकुमारी' ने दिया नवजात को जन्म

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से वन्यजीव प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है लम्बे समय से पार्क में रह रही मादा हिप्पो 'राजकुमारी' ने एक स्वस्थ नवजात को जन्म दिया है वही इस सुखद खबर के बाद पार्क प्रशासन वन विभाग और पर्यटकों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। पार्क प्रशासन के अनुसार नवजात हिप्पो स्वस्थ है और जन्म के बाद से ही सक्रिय दिखाई दे रहा है मां राजकुमारी अपने बच्चे की बेहद स्नेहपूर्वक देखभाल कर रही है नवजात को मां के साथ विशेष बाड़े में रखा गया है हां उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम 24 घंटे मॉनिटरिंग कर रही है नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आहार और व्यवहार की निगरानी की जा रही है ताकि कोई असुविधा न हो।

2020 में हुआ था 'राजकुमारी' का जन्म

ACF देवेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि मादा हिप्पो राजकुमारी का जन्म 17 जुलाई 2020 को हुआ था कुछ समय पूर्व उसका जोड़ा नर हिप्पो 'राजा' के साथ बनाया गया था सफल प्रजनन के बाद अब हिप्पो परिवार में यह नया सदस्य जुड़ गया है इस जन्म के साथ पार्क में हिप्पो की कुल संख्या बढ़कर 6 हो गई है लगातार बढ़ता यह कुनबा पार्क में सफल वन्यजीव संरक्षण और प्रबंधन का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

बढ़ाई सुरक्षा और मॉनिटरिंग

ACF देवेन्द्र सिंह राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि मां और नवजात की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था की गई है बाड़े के आसपास सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है और अनावश्यक हस्तक्षेप को रोका गया है।

पर्यटकों में खुशी की लहर

नए मेहमान के आगमन से पर्यटकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है आने वाले दिनों में पार्क में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है वन्यजीव प्रेमी हिप्पो परिवार के इस नए सदस्य की एक झलक पाने के लिए उत्सुक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कैद में हिप्पो का सफल प्रजनन वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि है यह दर्शाता है कि पार्क का वातावरण और देखभाल प्रणाली जानवरों के अनुकूल है नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में गूंजी यह किलकारी न केवल पार्क प्रशासन के लिए गर्व का विषय है बल्कि जयपुर के लिए भी एक सुखद और प्रेरणादायक खबर है।

होली के उपलक्ष्य में पुरजन विहार में आयोजित हुआ पलाश उत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत होली के उपलक्ष्य में पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में पलास उत्सव आयोजित हुआ, जिसमें वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

वन राज्य मंत्री ने जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंच गौरव के तहत यह कार्य क्रार्यक्रम आयोजित किया गया है, वह जिले के पंच गौरव को बढावा देने का मंच है। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। इससे आपसी भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा आर्गेनिक हर्बल गुलाल बनाई गई है, जो कि स्थानीय उत्पादों को बढावा देने का मार्ग है।

पर्यटन विभाग की उप निदेशक टीना यादव ने बताया कि कार्यक्रम में आकर्षक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें अलवर के पंच गौरव पर्यटक स्थल सरिस्का के प्राकृतिक स्थलों और वन्य जीवों को प्रदर्शित किया गया। साथ ही वन विभाग द्वारा पलाश प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें पलाश वृक्ष के महत्व, संरक्षण और पलाश के उत्पादों हर्बल गुलाल की जानकारी दी गई। वहीं सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध लोक कलाकार भुंगर खान लंगा (बाड़मेर) अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया तथा मोरू सपेरा (जयपुर) अपनी पारंपरिक कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके साथ ही अलवर के स्थानीय लोक कलाकार भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी। जिससे प्रदेश की लोक संस्कृति की विविधता और जीवंतता झलेकी, जिस पर उपस्थित लोगों को खूब सराहा। इस डीएफओ राजेन्द्र हुड्डा, पर्यटन विभाग की उप निदेशक टीना यादव, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पं. जले सिंह, अजय शर्मा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

'माउंट आबू' होगा अब 'आबू राज' समझे ऐतिहासिक महत्व

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। माउंट आबू के 'आबू राज' नाम के पीछे इसका पुराना इतिहास जुड़ा हुआ है। हाल ही में राजस्थान सरकार ने इसका नाम बदलने की घोषणा की है। पुराने समय में इस क्षेत्र को 'अर्बुदांचल' कहा जाता था। मान्यता है कि अर्बुद नाग के नाम पर इसका नाम पड़ा जो समय के साथ बदलकर 'आबू' हो गया। पौराणिक कथाओं में यह भी कहा जाता है कि ऋषि वशिष्ठ ने यहीं से चार राजपूत वंशों की उत्पत्ति की थी। बाद में अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया और इसका नाम 'माउंट आबू' रख दिया। आज भी यह राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है। अब 'आबू राज' नाम के जरिए इसकी पुरानी पहचान और सांस्कृतिक विरासत को फिर से सम्मान देने की कोशिश की जा रही है।

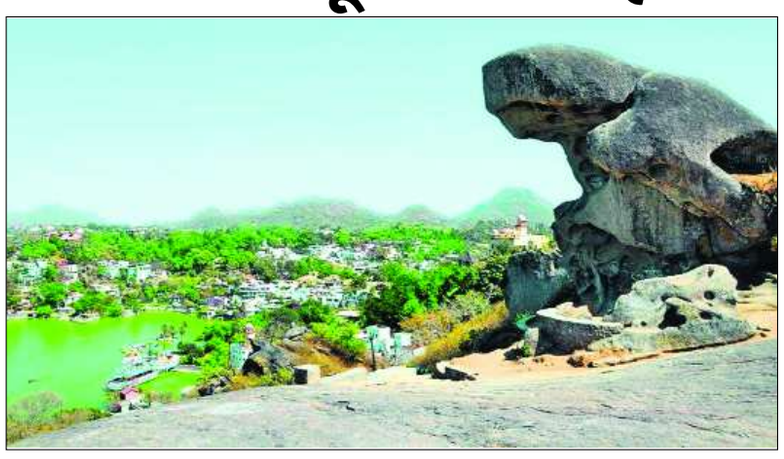

आबू राज में घूमने के लिए कई शानदार और यादगार जगहें हैं, जो हर साल हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थल और ऐतिहासिक धरोहरें इसे खास बनाती हैं।

सबसे पहले बात करें नक्की झील की, जो चारों ओर से पहाड़ों से घिरी हुई है। झील के बीच लगा फव्वारा करीब 80 फीट तक पानी उछालता है, जो शाम के समय बेहद सुंदर दृश्य प्रस्तुत करता है। वहीं गुरु शिखर अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटी है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है।

धार्मिक आस्था के लिए अचलेश्वर महादेव मंदिर विशेष महत्व रखता है, जहां भगवान शिव के पैर के अंगूठे की पूजा की जाती है। इसके अलावा दिलवाड़ा जैन मंदिर अपनी अद्भुत संगमरमर की नक्काशी और शानदार वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। इतिहास प्रेमियों के लिए अचलगढ़ किला भी आकर्षण का केंद्र है, जहां से आसपास का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। ये सभी स्थल मिलकर आबू राज को एक खास पर्यटन स्थल बनाते हैं।

विलुप्त गिद्धों से गुलजार होता रिजर्व एरिया, पांच प्रजातियां मिलीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/धौलपुर। धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व एरिया में लंबी गर्दन के विलुप्त गिद्धों की पांच प्रजातियां मिली हैं। जिससे वाइल्ड लाइफ विभाग में खुशी की लहर दौड़ रही है। विभाग ने आनन-फानन में गिद्धों की निगरानी शुरू कर दी है। देखा जाए तो टाइगर रिजर्व एरिया गिद्धों के लिए बेहतर हैबिटेट बनता जा रहा है। विभाग भी अब गिद्धों के संरक्षण सहित इसको विकसित करने पर जोर दे रहा है।अगर सब सही रहा तो आने वाले दिनों में जिले के सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के दमोह क्षेत्र में गिद्धों के झुंड मिलने से धौलपुर करौली टाइगर रिजर्व एरिया राजस्थान के अन्य टाइगर रिजर्व और सेंचुरियों में मॉडल बन कर सामने आएगा, क्योंकि दमोह क्षेत्र में गिद्धों का कुनबा बढ़ रहा है। 90 के दशक में गिद्ध नजर नहीं आने के बाद भरतपुर जिले के केवलादेव घना पक्षी विहार में सबसे पहले यह बात सामने आई थी कि गिद्धों का खात्मा हो गया है। इससे देश दुनियां में चिंता की लहर पैदा हो गई थी, लेकिन धौलपुर जिले के दमोह क्षेत्र में गिद्धों का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है, जो कि सुखद समाचार है।

आईआरसीटीसी का सस्ता यूरोप पैकेज लॉन्च

राजस्थान से 13 दिन में 7 देश घूमने का मिलेगा मौका

जयपुर सहित मुंबई, अहमदाबाद, इंदौर, दिल्ली चंडीगढ़ व लखनऊ सहित कोच्चि और बेंगलुरु जैसे शहरों के पर्यटक शामिल होंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश में विदेश यात्रा की योजना बना रहे उदयपुर सहित राजस्थान के पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने अप्रैल और मई 2026 के लिए यूरोप का विशेष अंतरराष्ट्रीय टूर पैकेज लॉन्च किया है। इस टूर की खासियत यह है कि देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले यात्री एक संयुक्त भारतीय समूह के रूप में यूरोप भ्रमण करेंगे और वहां यूनाइटेड इंडिया की झलक पेश करेंगे।

इस टूर पैकेज में जयपुर सहित मुंबई, अहमदाबाद, इंदौर, दिल्ली चंडीगढ़ व लखनऊ सहित कोच्चि और बेंगलुरु जैसे शहरों के पर्यटक शामिल होंगे। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और प्रदेशों से जुड़े यात्री 13 दिनों तक एक परिवार की तरह साथ रहकर भारत की एकता में विविधता का संदेश अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। दो प्रस्थान तिथियां, सीमित सीटें आईआरसीटीसी के अपर महाप्रबंधक (पर्यटन) योगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि यूरोप टूर के दो विशेष प्रस्थान निर्धारित किए गए हैं। 26 अप्रैल से 8 मई व 24 मई से 5 जून 2026 तक प्रत्येक प्रस्थान में केवल 20 सीटें रखी गई हैं ताकि यात्रियों को व्यवस्थित और प्रीमियम समूह यात्रा का अनुभव मिल सके।

एसी डीलक्स कोच से स्थानीय भ्रमण

- प्रमुख दर्शनीय स्थलों के एंट्री टिकट
- अनुभवी टूर मैनेजर और गाइड
- पैकेज शुल्क व बुकिंग तिथि
- अप्रैल प्रस्थान 4,28,830 प्रति व्यक्ति
- मई प्रस्थान 4,55,130 प्रति व्यक्ति

बुकिंग की अंतिम तिथि

- 20 मार्च 2026 अप्रेल प्रस्थान
- 15 अप्रैल 2026 मई प्रस्थान
- बुकिंग पहले आए पहले पाओ के आधार पर की जाएगी।

पैकेज में मिलेंगी ये सुविधाएं

- एयर इंडिया की रिटर्न हवाई यात्रा, 3 स्टार श्रेणी के होटलों में डबल ऑक्यूपेंसी पर ठहराव, दैनिक नाश्ता, दोपहर और रात्रि भोजन, वीजा शुल्क और ट्रैवल इंश्योरेंस।

12 रात 13 दिन का टूर

प्रमुख देश इस विशेष टूर पैकेज में यूरोप के कई प्रमुख देशों और शहरों का भ्रमण कराया जाएगा। इसमें फ्रांस के पेरिस, बेल्जियम के ब्रूसेल्स, नीदरलैंड के एम्स्टर्डम, जर्मनी के कोलोन, मैनहेम, स्विट्ज़रलैंड के जंगफाउयोच, राइन फॉल्स, ऑस्ट्रिया के इंसब्रुक, इटली वेनिस, पीसा, रोम और मिलान शामिल है।

ऊर्जा मंत्री ने लिया कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायजा

मुख्यमंत्री 7 को करेंगे कोटा-बूंदी ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आगामी 7 मार्च को प्रस्तावित कोटा-बूंदी ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास एवं दौरे को लेकर शम्भुपुरा स्थित कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों का सोमवार को ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री ने एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया सहित अन्य विभागों के अधिकारियों से की जा रही तैयारियों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, केशोरायपाटन की पूर्व विधायक चन्द्रकांता मेघवाल, शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन, संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल, कोटा जिला कलक्टर पीयूष समारिया, बूंदी जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, बूंदी जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा सहित केडीए, पीडब्ल्यूडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। नागर ने कार्यक्रम स्थल के निकट बनाए जा रहे हेलीपैड का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत सभी आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाएं समय से पूर्व सुनिश्चित कर ली जाएं। इसके अलावा, उन्होंने आमजन के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए तैयार की जा रही संपर्क सड़कों और बसों के निर्धारित रूट चार्ट की भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम के दिन बसों एवं अन्य वाहनों की समुचित पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने आयोजन स्थल पर बनाए जा रहे मुख्य मंच (स्टेज), विशाल डोम और आमजन के बैठने के लिए की जा रही व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करवाया जाए, ताकि धूल उडने से किसी को कोई परेशानी नहीं हो।

आईटीबी बर्लिन में राजस्थान पर्यटन का हुआ सशक्त आगाज़

वैश्विक मंच पर विरासत, स्थापत्य और सतत पर्यटन मॉडल की हुई प्रभावी प्रस्तुति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जर्मनी की राजधानी बर्लिन शहर में विश्व के सबसे बड़े पर्यटन व्यापार मेले आईटीबी बर्लिन का मंगलवार को उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर हॉल 5.2 में राजस्थान पर्यटन विभाग के स्टैंड 200 का विधिवत उद्घाटन भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान पर्यटन पवेलियन में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 को भी इस अवसर पर शोकेस किया।

उद्घाटन समारोह में राजस्थान पर्यटन विभाग की आयुक्त श्रीमती रूक्मणी रियार, अतिरिक्त निदेशक पवन कुमार जैन एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह उपस्थित रहे। साथ ही राजस्थान के स्टॉक होल्डर में FHTR, टूली इंडिया पैलेस ओन व्हील्स, अल्केमी दू वोयाज प्राइवेट लिमिटेड एवं इंटरएक्टिव टूर्स टू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजस्थान पर्यटन विभाग की टीम का नेतृत्व कर रही आयुक्त श्रीमती रुक्मणी रियार ने इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन जर्मनी के अध्यक्ष श्री हरगोविंद सिंह राणा से राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने की चर्चा की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, टूर संचालकों एवं आगंतुकों का राजस्थान पवेलियन में स्वागत किया एवं राजस्थान पर्यटन के नवाचारों के बारे में जानकारी दी। राजस्थान मंडप अपनी सांस्कृतिक भव्यता, स्थापत्य सौंदर्य और नवाचारपूर्ण प्रस्तुति के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।

उल्लेखनीय है कि आईटीबी बर्लिन का आयोजन 3 से 5 मार्च तक होगा जिसमें भारत के अन्य राज्यों के साथ ही राजस्थान पर्यटन विभाग भी राजस्थान में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए विभिन्न पर्यटन आकर्षणों को शो केस कर रहा है। आईटीबी के आगामी दिनों में विभिन्न व्यावसायिक बैठकों, राजस्थान पर्यटन की वीडियो फिल्मों तथा संवाद सत्रों के माध्यम से राजस्थान अपनी समृद्ध विरासत, अतिथि सत्कार परंपरा और सतत पर्यटन दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1966 से आयोजित हो रहा यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन विश्व पर्यटन उद्योग का अग्रणी मंच माना जाता है।

नाम परिवर्तन संबंधी सार्वजनिक सूचना

मैं, मूलाराम पुत्र श्री चेनाराम, उम्र 20 वर्ष, जाति जाट, निवासी – जाणियों की ढाणी, बोर चारणान, तहसील , धोरीमन्ना जिला-बालोतरा, राजस्थान (पिन कोड 344704), शपथपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि मेरा पूर्व में नाम **मूलाराम** पुत्र श्री चेनाराम दर्ज था। जिसे मैंने विधिवत राजस्थान राजपत्र (Gazette) में प्रकाशित कराकर परिवर्तित कर **मयंक चौधरी** पुत्र श्री चेनाराम रख लिया है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मूलाराम एवं **मयंक चौधरी** दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मुझे **मयंक चौधरी** पुत्र श्री **चेनाराम** के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

12वीं से पहले 20 मार्च को आ सकता है 10वीं का परिणाम!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इस बार 10वीं का परिणाम जारी करने की परंपरा में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बोर्ड 20 मार्च के आसपास दसवीं का परिणाम घोषित करने की तैयारी में है। यदि यह योजना सफल होती है तो पहली बार 12वीं से पहले 10वीं का रिजल्ट जारी होगा। बोर्ड इतिहास में मार्च माह में परिणाम घोषित होना भी रिकॉर्ड माना जाएगा। जिसे लेकर छात्रों के दिल की धड़कने बड़ी हुई है। इस वर्ष 10वीं में करीब 10.5 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए हैं, जबकि 12वीं (आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स) में लगभग 8.5 से 9 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी है। कुल मिलाकर लगभग 19 लाख छात्र-छात्राएं परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड प्रशासन के अनुसार परीक्षा केंद्रों से कॉपी कलेक्शन करके उत्तर पुस्तिकाएं वैल्युअर्स तक पहुंचा दी गई हैं। मूल्यांकन के लिए करीब 10 दिन का समय निर्धारित किया गया है जिसके बाद 8 तक मार्क्स एंट्री पूरी होने की संभावना है। इसके बाद विषयों के अंक पोर्टल पर कम्पाइल कर फाइनल चेकिंग की जाएगी। उसके बाद डेटा रिजल्ट तैयार करने वाली फर्म को भेजा जाएगा, जहां रोल नंबर के आधार पर मार्कशीट तैयार होगी।

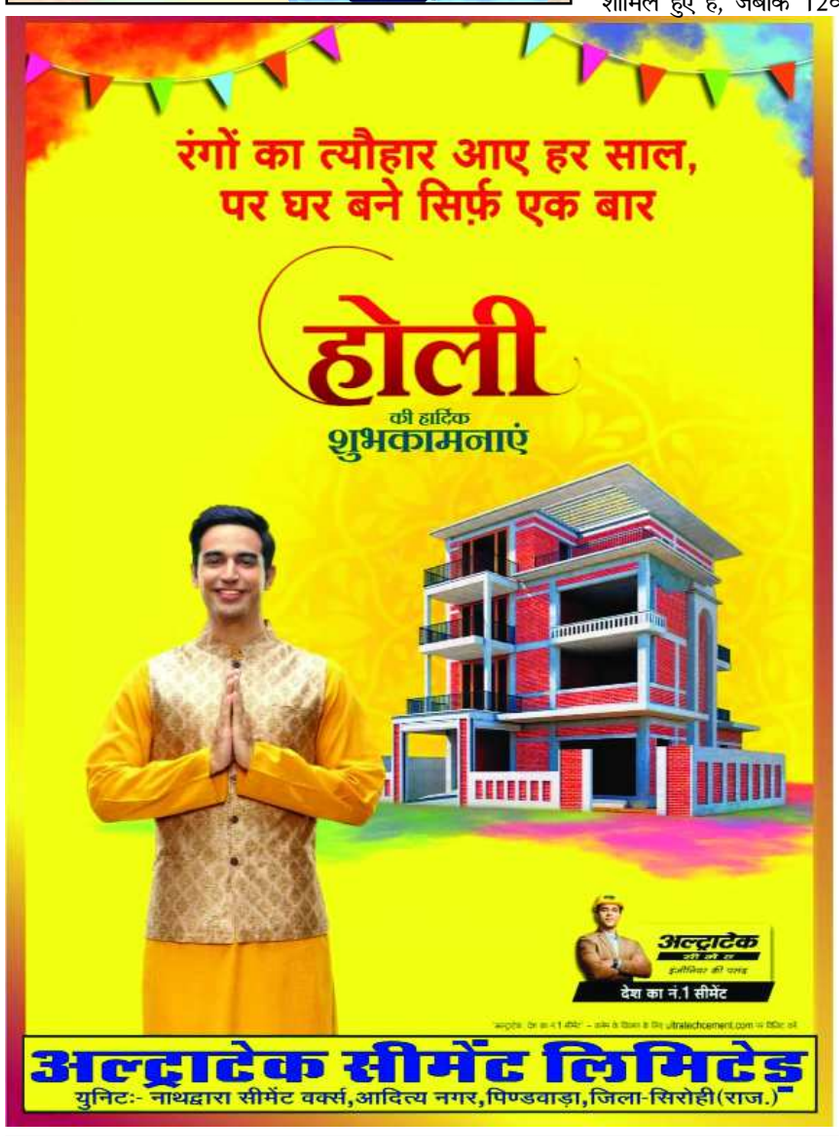

भगत की कोठी-जम्मू तवी एक्सप्रेस 1 अप्रैल से फिर पूरे रूट पर चलेगी, टिकट बुकिंग शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भगत की कोठी-जम्मू तवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस को 1 अप्रेल से पुनः अपने पूर्व निर्धारित मार्ग पर संचालित करने का निर्णय लिया है। लंबे समय से आंशिक रूप से रद्द चल रही यह ट्रेन अब फिर से जोधपुर से जम्मू तक सीधी सेवा दे सकेगी। जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में पिछले वर्ष हुई भारी बारिश के कारण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। विशेष रूप से ब्रिज संख्या-17 पर आई तकनीकी समस्या के चलते ट्रेन संख्या 14803/14804 को पठान कोट से जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के बीच 31 मार्च तक आंशिक रूप से रद्द करना पड़ा था। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

इन स्टेशनों पर चल रहा तकनीकी काम

रेलवे अधिकारियों के अनुसार कठुआ और माधोपुर स्टेशनों के बीच आवश्यक मरम्मत और तकनीकी सुधार कार्य अब लगभग पूरा कर लिया गया है। सुरक्षा मानकों की समीक्षा के बाद ट्रेन को पुनः पूरे मार्ग पर चलाने का निर्णय लिया गया है।

जोधपुर से 1 अप्रेल को रवाना होगी

नई व्यवस्था के तहत ट्रेन संख्या 14803 भगत की कोठी-जम्मू तवी एक्सप्रेस 1 अप्रेल से जोधपुर से रवाना होगी। वहीं, वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 14804 जम्मू तवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस 2 अप्रेल से नियमित रूप से संचालित की जाएगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन के लिए अग्रिम आरक्षण भी प्रारंभ कर दिया गया है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

मार्क कार्नी की भारत यात्रा से बदला कूटनीतिक और आर्थिक परिदृश्य

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा उनके पदभार संभालने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है। दोनों देशों के संबंधों में कभी कटुता आ गई थी लेकिन अब उनमें महत्वाकांक्षा का भाव पनप रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई उनकी मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने साल के अंत तक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने दशक के अंत तक व्यापार दोगुना करने का भी संकल्प लिया है। यह सब म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कार्नी के उस वादे की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसमें उन्होंने 'मध्यम शक्ति' कहे जाने वाले देशों के साथ मुद्दों पर आधारित संबंधों के माध्यम से कनाडा की विदेश नीति को पुनर्परिभाषित करने की बात कही थी। यह बदलाव राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दोबारा चुने जाने के बाद इसके विशाल दक्षिणी पड़ोसी अमेरिका के साथ संबंधों में आई भारी गिरावट के बाद हुआ है। कनाडा की धरती पर एक सिख चरमपंथी की हत्या में भारतीय संलिप्तता के आरोप को लेकर वहां की पिछली सरकार और भारत के बीच गहरे मतभेद पैदा हो गए थे। इसके बाद दोनों देशों में राष्ट्रवादी भावनाएं हावी हो गईं और संबंधों में प्रगति की संभावना खत्म हो गई। यह तनाव कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पद पर बने रहने तक व्याप्त रहा। भारत ने उक्त घटना में किसी भी आधिकारिक संलिप्तता से स्पष्ट इनकार किया था। अब महत्त्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्षों ने कटुता को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ने की समझदारी दिखाई है। कार्नी के सत्ता में आने से व्यावहारिकता का दौर शुरू हुआ और धीरे-धीरे सामान्य राजनयिक आदान-प्रदान बहाल हो गया। व्यापार समझौतों के प्रति भारत की नई प्रतिबद्धता से पता चलता है कि आर्थिक एकीकरण बढ़ाने में कनाडा के साथ उसकी भी समान रुचि है। कनाडा के नागरिकों को इस बात की चिंता है कि अमेरिका और मेक्सिको के साथ उसके मुक्त व्यापार समझौते का इस वर्ष नवीनीकरण नहीं हो सकता है, इसलिए नए गंतव्य तलाशना उसके लिए अनिवार्य हो गया है। भारत में हुए अन्य बदलावों ने एक साझेदार के रूप में कनाडा के महत्त्व को और बढ़ा दिया है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना के दूसरे चरण में राजमार्ग जैसी परिसंपत्तियां शामिल हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां कनाडा के पेंशन फंडों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहने की उम्मीद है। ये फंड भारत द्वारा स्थिर दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित करने के प्रयासों में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत में परमाणु संयंत्रों के निर्माण और निवेश से संबंधित कानूनों के उदारीकरण का अर्थ है कि इससे यूरेनियम की मांग बढ़ेगी, जिसका कनाडा प्रमुख निर्यातक है। इस यात्रा का मुख्य केंद्र ऊर्जा सुरक्षा था। कतर के बुनियादी ढांचे पर ईरान के हमले के बाद प्राकृतिक गैस की कीमतों में आई तेजी ने इसके महत्त्व को और भी रेखांकित किया है। इस हमले के कारण गैस से समृद्ध अमीरात में उत्पादन ठप हो गया है। आपूर्ति और स्रोतों का विविधीकरण अब और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। इस संदर्भ में, यह स्वागत योग्य है कि सरकार ने कैमेको के साथ 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर का समझौता किया है, जिससे 2027 से 2035 तक परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए 11,000 टन से अधिक यूरेनियम उपलब्ध होने की उम्मीद है।

नई श्रृंखला शुरू होने से भारत के सामने मौजूद कुछ संरचनात्मक चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर भी मिलता है। उदाहरण के लिए, क्षेत्रीय घटक में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी मामूली सुधार के साथ 13.3 फीसदी हो गई है।

नई GDP श्रृंखला से बदलेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सांख्यिकी मंत्रालय ने जीडीपी का आधार वर्ष बदलकर गणना के तरीके में सुधार किया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर और डेटा की गुणवत्ता बेहतर होगी

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा पिछले सप्ताह जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के आंकड़ों से पता चलता है कि इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने का अनुमान है। पुरानी श्रृंखला पर आधारित प्रथम अग्रिम अनुमान में चालू वर्ष के लिए वृद्धि दर 7.4 फीसदी आंकी गई थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 6.5 फीसदी के पुराने आंकड़े से बढ़कर 7.1 फीसदी हो गया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024 के लिए वृद्धि दर में 2 फीसदी अंक की भारी गिरावट दर्ज की गई है और इसे घटाकर 7.2 फीसदी कर दिया गया है।

इसके अलावा, नॉमिनल आधार पर अर्थव्यवस्था का आकार चालू वर्ष में 345.47 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि पहले अग्रिम अनुमान में, जिसका उपयोग बजट गणना के लिए भी किया गया था, यह 357.13 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था। अर्थव्यवस्था के आकार में यह अंतर थोड़ा आश्चर्यजनक है। बेहतर कार्यप्रणाली और विस्तारित डेटा स्रोतों को देखते हुए, विश्लेषकों को नॉमिनल आधार पर बढ़ोतरी की उम्मीद थी।

आधार वर्ष को बदलकर 2022-23 करने के अलावा, नई जीडीपी श्रृंखला में कई नए तत्त्व शामिल किए गए हैं। उदाहरण के लिए, अनेक क्षेत्रों में व्यवसाय कर रहे उद्यम के कारोबारी आंकड़ों को अलग-अलग किया गया है, जिससे स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। सर्वेक्षणों के आंकड़ों का उपयोग करते हुए गैर-निगमित क्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों में दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) का भी उपयोग किया है। इससे भारत के राष्ट्रीय लेखा की एक बड़ी आलोचना का समाधान होता है।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के आंकड़ों का भी व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय लेखा की एक अन्य कमजोरी, विसंगतियां थीं जिन्हें दूर करने के लिए मंत्रालय ने आपूर्ति एवं उपयोग सारणी (सप्लाई ऐंड यूज टेबल) ढांचे को अपनाया है। हालांकि, समग्र ढांचे में सुधार के बावजूद, अभी भी बहुत काम बाकी है। उदाहरण के लिए, अर्थशास्त्रियों का लंबे समय से यह तर्क रहा है कि भारत को उत्पादक कीमत सूचकांक की आवश्यकता है, जो नॉमिनल और वास्तविक जीडीपी के बीच अंतर का अधिक सटीक माप प्रदान करने में सहायक होगा।

इसके अलावा, यद्यपि मंत्रालय अब गैर-निगमित क्षेत्र के लिए सर्वेक्षण डेटा का उपयोग कर रहा है, आर्थिक जनगणना डेटा के पुराने होने के कारण सर्वेक्षणों में कुछ कमियां हो सकती हैं। अन्य सर्वेक्षण डेटा में भी इसी तरह की समस्याएं हो सकती हैं क्योंकि दस-वर्षीय जनगणना में देरी हुई है। इन सब बातों के बावजूद, यह उल्लेखनीय है कि नई जीडीपी श्रृंखला, हाल ही में जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के साथ मिलकर, डेटा की गुणवत्ता में काफी सुधार करेगी और हितधारकों को तथ्यों पर आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाएगी।

नई श्रृंखला शुरू होने से भारत के सामने मौजूद कुछ संरचनात्मक चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर भी मिलता है। उदाहरण के लिए, क्षेत्रीय घटक में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी मामूली सुधार के साथ 13.3 फीसदी हो गई है। यदि भारतीय अर्थव्यवस्था को मध्यम से दीर्घ अवधि में उच्च विकास दर प्राप्त करनी है और बढ़ते कार्यबल के लिए रोजगार सृजित करना है, तो विनिर्माण क्षेत्र का योगदान काफी बढ़ाना होगा। सरकार कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 25 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रख रही है, लेकिन चीजें अपेक्षित दिशा में आगे नहीं बढ़ रही हैं। राजकोषीय मोर्चे पर, सकल घरेलू उत्पाद के आकार में कमी के कारण इस वर्ष राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में मामूली रूप से बढ़कर 4.5 फीसदी हो जाएगा।

हालांकि, जैसा कि अर्थशास्त्रियों ने रेखांकित किया है, इससे वित्त वर्ष 2031 तक 50 फीसदी (1 प्रतिशत कम या ज्यादा) के ऋण-जीडीपी अनुपात का लक्ष्य प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा।

होली : रंगों से आगे, सोच का इम्तिहान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

क्या इस होली हम सिर्फ़ रंग ही उड़ाएँगे या अपने भीतर जमी डर, भ्रष्टाचार, बुरी नियत और अज्ञान की परतों को भी जलाएँगे? होली हर साल आती है।गलियाँ गुलाल से भर जाती हैं। चेहरे मुस्कानों से रंग जाते हैं और कुछ घंटों के लिए लगता है कि जीवन सचमुच हल्का हो गया है। लेकिन यह हल्कापन अगर त्वचा तक ही सीमित रह जाए तो होली एक रस्म बनकर रह जाती है। असली होली तब है जब रंग मन तक पहुँचें और सवाल अंतरात्मा से टकराएँ। होलिका दहन केवल लकड़ियों और अग्नि का पर्व नहीं है। यह एक प्रतीक है बुराई, दुःख, अनैतिकता और अपराध के अंत का। लेकिन आज सवाल यह नहीं कि अग्नि जली या नहीं, सवाल यह है कि उस अग्नि में क्या जला?

भगवान प्रसाद गौड
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आज की बुराई न शोर मचाती है न खुले तौर पर चुनौती देती है। वह व्यवस्था के भीतर घुल-मिल जाती है। जैसे चोर रोज़ चोरी के नए तरीके खोज लेता है। वैसे ही अनैतिकता भी हर दिन नया नाम और नया औचित्य ढूँढ लेती है। पहले चोरी ताले तोड़कर होती थी। आज सिस्टम के भीतर से होती है।पहले अफवाहें चौपाल में फैलती थीं। आज वे स्क्रीन से समाज तक पहुँचती हैं।

ऐसे में होली हमसे सीधे सवाल करती है- क्या हमने अपने भीतर के डर को जलाया? क्या भ्रष्टाचार को केवल शब्दों में कोसा या अपने व्यवहार से भी हटाया? क्या बुरी नियत और अज्ञान को सचमुच अग्नि को समर्पित किया?

इस दौर में अपराध केवल कानून की धाराओं में नहीं बसता। वह चुप्पी में पनपता है। अन्याय देखकर चुप रह जाना, झूठ जानते हुए भी आगे बढ़ जाना और गलत को "सब ऐसा ही करते हैं"कहकर सामान्य बना देना। ये सब ऐसे अपराध हैं जिन पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं होता। लेकिन समाज की आत्मा धीरे-धीरे खोखली हो जाती है।

होली की अग्नि इसी चुप्पी को जलाने का प्रतीक है। वह पूछती है- क्या सच इसलिए नहीं कहा गया क्योंकि वह असुविधाजनक था? क्या अज्ञान को स्वीकार करने के बजाय उसे ढाल बना लिया गया?

आज समाज में रंगों की कोई कमी नहीं, कमी है तो संवेदनाओं की, भीड़ बढ़ रही है। लेकिन रिश्ते सिकुड़ रहे हैं। हर हाथ में मोबाइल है पर सामने खड़े मनुष्य को देखने का धैर्य नहीं। किसी का दुःख अब खबर है और खबर अब स्क्रॉल। ऐसे समय में होली याद दिलाती है कि रंग चेहरे पर नहीं, दृष्टि में होने चाहिए। करुणा, संवाद और जिम्मेदारी यही असली गुलाल हैं। अगर मन में मैल है तो गुलाल भी दाग बन जाता है।

आज की सबसे खतरनाक सोच यह है- "काम हो जाना चाहिए तरीका कोई भी हो।" यही विचार भ्रष्टाचार और बुरी नियत को मजबूती देता है। होली इस मानसिकता के विरुद्ध खड़ी होती है और कहती है- साधन अपवित्र हैं तो साध्य भी कलंकित होगा। जैसे गंदे हाथों से लगाया गया रंग कभी सुंदर नहीं लगता।

इस बार ज़रूरत केवल रंग खेलने की नहीं सोच और कर्म की होली खेलने की है। डर को जलाने की, अहंकार को राख करने की और अज्ञान को ज्ञान से चुनौती देने की है।

होली का असली साहस दूसरों को रंगने में नहीं, खुद को बदलने में है। अपने भीतर बैठे उस छोटे-से होलिका को पहचानने में है। जो लालच, डर और बुरी नियत के ईंधन से जीवित रहती है। जब तक वह भीतर नहीं जलेगी तब तक बाहर की होलिका केवल लकड़ियों की आग ही रहेगी। होली तभी सार्थक है जब वह हमें हँसाने के साथ पूछे- क्या हमने सिर्फ़ होलिका जलाई या अपने भीतर का अंधकार भी? अगर इस होली पर हम थोड़ा कम डरपोक, थोड़ा कम सुविधावादी और थोड़ा ज़्यादा जिम्मेदार नागरिक बन सकें तो समझिए होली ने अपना अर्थ पा लिया।

सोशल मीडिया की राजनीति : प्रशंसा एकतरफा क्यों?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया जनसंपर्क का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। बड़े राजनेता और समाजसेवी जब कोई पोस्ट साझा करते हैं तो उस पर हजारों-लाखों लाइक और कमेंट्स की बौछार हो जाती है। कार्यकर्ता और छोटे स्तर के सामाजिक कार्यकर्ता पूरे उत्साह से उनकी सराहना करते हैं, उनकी उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हैं और समर्थन दिखाते हैं। लेकिन जब वही कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में कोई सराहनीय कार्य करते हैं, समाज सेवा का वीडियो साझा करते हैं या किसी उपलब्धि को प्रदर्शित करते हैं, तब अक्सर बड़े नेता या समाजसेवी उस पर न तो प्रतिक्रिया देते हैं और न ही सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करते हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसा क्यों? इसका एक कारण यह हो सकता है कि बड़े नेताओं के पास समय की कमी होती है और उनकी सोशल मीडिया टीम सामग्री को संभालती है। कई बार पोस्ट की संख्या इतनी अधिक होती है कि हर कार्यकर्ता तक व्यक्तिगत रूप से पहुंचना संभव नहीं हो पाता। परंतु दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि यदि नेतृत्व छोटे कार्यकर्ताओं के कार्यों की सार्वजनिक सराहना करे, तो इससे उनका मनोबल कई गुना बढ़ सकता है। संगठन की असली ताकत जमीनी कार्यकर्ता होते हैं। यदि उनके कार्यों को मान्यता और सम्मान मिले, तो संगठन और अधिक मजबूत बनता है। प्रशंसा केवल ऊपर से नीचे की ओर नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर भी होनी चाहिए। नेतृत्व की महानता इसी में है कि वह अपने साथ जुड़े हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता को सम्मान दे, उनके प्रयासों को पहचान दे और समय-समय पर सार्वजनिक रूप से उनका उत्साहवर्धन करे। यही सच्चा लोकतांत्रिक और सामाजिक समर्पण है।

संदीप पारीक
समाजविद्
@jagrukjanta.net

आखर-आखर झरे उजियार

स्वविवेक से प्राप्त प्रकाश ही मार्गदर्शक है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वृहदारण्यक उपनिषद में ऋषि बड़ी प्यारी प्रार्थना करते हैं-
हे प्रभु, तू हमें असत्य से सत्य की ओर ले चल।
अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल।
मृत्यु से अमृत की ओर ले चल।

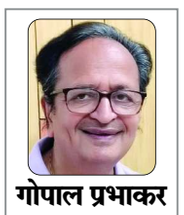

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सच्चे और अच्छे मन से की गई ये प्रार्थना जीवन को उचित दिशा प्रदान करती है। सही दिशा में प्रस्थान के साथ ही मन को आंतरिक सुख शांति और संतुष्टि मिलने लगती है। उत्तरदायित्व के प्रति पहल की प्रेरणा ऐसी ही प्रार्थना से मिलती है।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की एक कविता भी है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य पूछते हैं, मेरे बाद प्रकाश के प्रसार का उत्तरदायित्व कौन वहन करेगा। तब एक दीपक पहल कर सामने आता है, रात के अंधेरे में प्रकाश की जिम्मेदारी का निर्वाह मैं करूंगा। बात सिर्फ़ इतनी सी है कि परिवेश कहीं तिमिर ग्रसित न हो जाय। दीपक की यह पहल वरेण्य है। ऋषि याज्ञवल्क्य राजा जनक के दरबार में बैठे थे। शंका समाधान चल रहा था। राजा जनक ने प्रश्न किया, प्रकाश का स्रोत क्या है?और वो न मिले तो किसका आश्रय लिया जाय? ऋषि ने जवाब दिया, सूर्य प्रमुख है।वो न हो तो चंद्रमा, चन्द्रमा न हो तो दीपक और दीपक भी न हो तो प्रबुद्ध जन से पूछ कर प्रकाश प्राप्त करें।

राजा जनक ने फिर प्रश्न किया, कोई प्रकाश पथ बताने वाला न मिले, तब क्या किया जाय ?

ऋषि याज्ञवल्क्य ने कहा,तब अन्तर प्रज्ञा यानी विवेक से प्रकाश प्राप्त कर अपना पथ प्रशस्त किया जाय। संसार से रोशनी नहीं मिलने पर अन्तर ज्योति का सहारा ही श्रेयस्कर होगा। भगवान बुद्ध ने भी तो यही कहा हैः अपने दीपक स्वयं बनो।

ओपिनियन

विश्वसनीयता के संकट से जूझती पत्रकारिता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केन्द्र सरकार ने हाल ही में फेक न्यूज पर लगाम कसने के लिए नए नियम जारी किए हैं। डीपफेक और भ्रामक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंटेंट के लिए केंद्र ने सख्त नियम बनाए हैं। आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम 2021 में संशोधन करते हुए सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अब आपत्तिजनक सामग्री 3 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। यह संशोधित नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू हो चुके हैं। अब अगर कोई फोटो, वीडियो या ऑडियो एआई की मदद से बनाया गया है, तो उस पर लेबल लगाना जरूरी कर दिया गया है। केंद्र के इस नियम से अब सोशल मीडिया पर फेक न्यूज पर लगाम लग सकेगी। नए नियम बता रहे हैं करीब ढाई सौ साल में कई बदलाव के बाद फेक न्यूज ने पत्रकारिता के समक्ष चुनौती खड़ी कर दी थी।

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

असल में दशकों से पत्रकारिता विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। यह विश्वास आज के समय में डगमगाने लगा था। जब पत्रकारिता का शुरूआत हुई थी, तो विश्वसनीयता ही उसका सबसे बड़ा उद्देश्य था। पत्रकारिता केवल खबर लिखने या पढ़ने का माध्यम नहीं है, यह समाज की धड़कनों को शब्द देने की कला है। यह वह आईना है, जिसमें सत्ता, व्यवस्था और समाज तीनों का चेहरा दिखाई देता है। समय के साथ पत्रकारिता ने कई दौर देखे हैं। पहले पत्रकारिता एक मिशन हुआ करती थी। फिर प्रोफेशन में तब्दील हो गई। कलम और कागज से शुरू हुआ यह सफर आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक पहुंच चुका है। इन बदलावों ने जहां पत्रकारिता को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया है, वहीं नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।

इस यात्रा में साधन बदले, माध्यम बदले, लेकिन मूल उद्देश्य कभी नहीं बदला। आज भी सत्य की खोज और जनहित ही पत्रकारिता का उद्देश है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल कार्य सत्ता और समाज के बीच सेतु बनना, जनमत को दिशा देना और सच को सामने लाना है। इस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह सत्ता से सवाल करती है, जनता की आवाज़ को मंच देती है और व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है। भारत में आधुनिक पत्रकारिता की शुरुआत 1780 से मानी जाती है। इस साल शुरू हुआ बंगाल गजट एक अंग्रेजी का साप्ताहिक अखबार था। साथ ही ब्रिटिश शासन के दौर में निकला और उसने सत्ता की आलोचना करने का साहस दिखाया। उस समय समाचार संकलन की प्रक्रिया बेहद कठिन थी। संवाददाता घटनास्थल तक स्वयं पहुंचते, लोगों से बातचीत करते और चिट्ठियों या तार के माध्यम से सूचनाएं संपादकीय कार्यालय तक भेजते थे। छपाई तकनीक सीमित थी, वितरण व्यवस्था धीमी थी, फिर भी खबरों की विश्वसनीयता और तथ्यपरकता सर्वोच्च मानी जाती थी। एक खबर को प्रकाशित करने से पहले उसके कई स्तरों पर सत्यापन की परंपरा थी।

- कलम और कागज से शुरू हुई यह यात्रा आज कीबोर्ड, कैमरा और कोड तक पहुंच चुकी है। माध्यम बदलते रहेंगे, प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे, लेकिन यदि पत्रकारिता अपनी आत्मा सत्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी को सुरक्षित रखेगी, तो वह लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज़ बनी रहेगी। आने वाला समय उसी पत्रकारिता का होगा, जो तेज भी हो, सटीक भी, आधुनिक भी हो और विश्वसनीय भी।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय पत्रकारिता ने आंदोलन का रूप ले लिया। यह केवल पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन गई। बाल गंगाधर तिलक के केसरी और महात्मा गांधी के हरिजन जैसे प्रकाशन अंग्रेजी हुकूमत की नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार करते थे। लेख और संपादकीय जनता में चेतना जगाने का काम करते थे। उस दौर में पत्रकारों को जेल, प्रतिबंध और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, फिर भी वे सत्य और स्वतंत्रता के पक्ष में डटे रहे। पत्रकारिता का चरित्र स्पष्ट रूप से मिशनरी था, जनहित सर्वोपरि था। स्वतंत्रता के बाद पत्रकारिता ने संस्थागत रूप लिया। बड़े मीडिया समूह स्थापित हुए, समाचार कक्ष (न्यूज रूम) अधिक संगठित हुए और संपादकीय नीतियां स्पष्ट रूप से तय की जाने लगीं। बीट आधारित रिपोर्टिंग की शुरुआत हुई, जिसमें राजनीति, न्यायालय, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ पत्रकार नियुक्त किए जाने लगे। इससे रिपोर्टिंग अधिक गहन और विश्लेषणात्मक हुई। समाचार एजेंसियों की भूमिका भी बढ़ी, जिनके माध्यम से देश-विदेश की खबरें तेजी से उपलब्ध होने लगीं।

1980 और 1990 के दशक में टेलीविजन के विस्तार ने पत्रकारिता को नया आयाम दिया। लंबे समय तक दूरदर्शन समाचार का प्रमुख सरकारी माध्यम रहा। शाम के निर्धारित समय पर प्रसारित समाचार बुलेटिन ही लोगों के लिए मुख्य स्रोत होते थे, लेकिन आर्थिक उदारीकरण के बाद निजी न्यूज चैनलों का दौर शुरू हुआ। 24 घंटे के न्यूज चैनलों ने खबरों की प्रस्तुति को तेज, तात्कालिक और दृश्यात्मक बना दिया। लाइव कवरेज, स्टूडियो बहस और ग्राफिक्स ने दर्शकों को जोड़ा। हालांकि इसी के साथ टीआरपी की प्रतिस्पर्धा ने सनसनीखेज प्रस्तुति और ब्रेकिंग न्यूज की अति को जन्म दिया। कई बार गहन विश्लेषण की जगह तात्कालिकता ने ले ली। 21वीं सदी में इंटरनेट क्रांति ने पत्रकारिता को पूरी तरह बदल दिया।

अब खबर छपने या प्रसारित होने का इंतजार नहीं करना पड़ता। वेबसाइट, ई-पेपर और मोबाइल ऐप के जरिए खबरें मिनटों में अपडेट होने लगीं। डिजिटल पोर्टल्स और स्वतंत्र ब्लॉग्स ने वैकल्पिक पत्रकारिता को बढ़ावा दिया। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भी आवाज़ें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने लगीं। डिजिटल पत्रकारिता ने मल्टीमीडिया का प्रयोग बढ़ाया। टेक्स्ट के साथ वीडियो, ऑडियो, इंफोग्राफिक्स और डेटा विजुअलाइजेशन का उपयोग होने लगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर (अब एक्स) और यूट्यूब ने सूचना के प्रवाह को पूरी तरह लोकतांत्रिक बना दिया। अब केवल मीडिया संस्थान ही नहीं, बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर दुनिया के सामने रख सकते हैं।

पंचांग

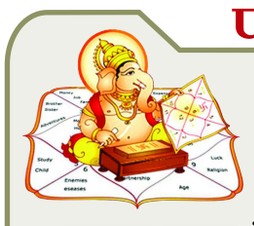

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 04/03/2026

सूर्योदय : 06:51 **सूर्यास्त :** 18:25 **चन्द्रोदय :** 19:26 **चन्द्रास्त :** 07:08 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** फाल्गुन **पूर्णिमांत :** चैत्र **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** सिंह **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** प्रतिपदा, 16:53 तक **वार :** बुधवार **कलियुग :** 5126 वर्ष **द्रिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 07:35 तक
योग : धृति, 08:50 तक
प्रथम करण : कौवाला, 16:53 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 28:54 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:04 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:29 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:20 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:23 पी एम से
अमृत काल	12:54 ए एम, मार्च 5 से
निशिता मुहूर्त	12:08 ए एम, मार्च 5 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : चन्द्र
कुंभ चक्र: उत्तर

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	: 06:53 - 08:19	चर	: 18:23 - 19:57
काल काल वेला	: 08:19 - 09:45	रोग	: 19:57 - 21:30
शुभ	: 09:45 - 11:11	काल	: 21:30 - 23:04
रोग	: 11:11 - 12:38	लाभ	: 23:04 - 00:37
उद्वेग	: 12:38 - 14:04	उद्वेग	: 00:37 - 02:11
चर	: 14:04 - 15:30	शुभ	: 02:11 - 03:44
लाभ वार वेला	: 15:30 - 16:57	अमृत	: 03:44 - 05:18
अमृत	: 16:57 - 18:23	चर	: 05:18 - 06:52

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज प्रतिपदा

आज कौन सा कार्य करें

प्रतिपदा को विवाह, यात्रा, व्रतबंध, प्राण प्रतिष्ठा, चूड़ा कर्म, वास्तु कर्म, गृह प्रवेश आदि मंगल कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

चैत्र, शुक्ल, प्रतिपदा, 2082 बुधवार, 4 मार्च - 10 मार्च, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राजधानी में ट्रायल सफल, अगले माह से दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुरवासियों को जल्द ही आधुनिक और आरामदायक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सौगात मिलने वाली है। जयपुर शहर की सड़कों पर अप्रैल तक इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती नजर आएंगी। तीन दिन तक चले सफल ट्रायल के बाद जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड को अगले 45 दिन में 40 से 50 नई बसों की डिलीवरी की उम्मीद है। जेसीटीएसएल के अधिकारियों ने बताया कि जयपुर में तीन दिन तक 2 इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल चला, जो सफल रहा। ट्रायल के दौरान इलेक्ट्रिक बसों को शहर के प्रमुख मार्गों पर चलाकर उनकी लोड व चार्जिंग क्षमता और संचालन की व्यवहारिक स्थिति को जांचा गया।

जल्द मिलेंगी 40 से 50 बस

जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (JCTSL) के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह ने बताया कि जयपुर में पहले चरण में 150 बसें चलाई जाएंगी। जिनमें से 40 से 50 बसें अप्रैल तक जयपुर में चलने की उम्मीद है। वहीं, बाकी बसें अगले तीन महीने में आ जाएंगी।

इन दो डिपो को मिलेगा पहला सेट

टोडी मोड़ (विद्याधर नगर) और बगराना (आगरा रोड) के डिपो ई-बसों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस हैं। इन दोनों डिपो को 40 से 50 ई-बसों का पहला सेट मिलेगा। अभी जेसीटीएसएल ई-बसों को हैंडल करने के लिए अपने सभी डिपो को अपग्रेड कर रहा है।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्कीम 5 शहरों को मिलेंगी ई-बसें

गौरतलब है कि पिछली सरकार में राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की घोषणा की गई थी। हालांकि, फंड की कमी के कारण राज्य सरकार 2 साल तक खरीद प्रक्रि या शुरू नहीं कर सकी। इसके बाद केंद्र की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्कीम के तहत जयपुर सहित राजस्थान के पांच अन्य शहरों के लिए ई-बसें खरीदने को लेकर एमओयू किया गया। इस योजना के अंतर्गत राजस्थान को कुल 1150 इलेक्ट्रिक बसें मिलनी हैं।

जयपुर रत्न सम्मान समारोह 7 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सेवा संकल्प सप्ताह के तहत जयपुर रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। संरक्षक रामअवतार गुप्ता और संस्थापक डॉ. राकेश केदावत के निर्देशन में 200 से अधिक महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष एवं स्टार सोश्यल ग्रुप के वरिष्ठ सलाहकार सुभाष गोयल, जिलाध्यक्ष मुकेश खण्डेलवाल ने बताया कि प्रताप नगर, सांगानेर स्थित प्रताप मैरिज गार्डन में दो दिवसीय समारोह में 7 मार्च को प्रदेशभर से महिलाओं को मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र, दुप्पटा एवं सेवापदक प्रदान करके सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर महिला उद्यमियों द्वारा रोजगार स्टॉल भी लगाई जाएगी।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री अग्रेसन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ICSSR) नई-दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय (6-7 मार्च, 2026) राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी का विषय "भारतीय ज्ञान परम्परा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: समकालीन शिक्षा की नई दिशा" रहेगा। जिसमें डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उप मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, कुलगुरू प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित रहेंगे। साथ ही प्रदेशभर से शिक्षाविद् एवं शोधार्थी अपनी सहभागिता देंगे एवं वैचारिक मंथन करेंगे।

गृह राज्य मंत्री बेढम ने नेता प्रतिपक्ष जूली की माता जी को दी श्रद्धांजलि

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यमंत्री, गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार जवाहर सिंह बेढम ने कोटपूतली-बहरोड़ के गांव काठूवास पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. माता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा जूली सहित समस्त शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

अप्रैल में स्कूलों में नया सत्र खोलने की तैयारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान शिक्षा विभाग इस सत्र में राजस्थान के स्कूलों को 1 अप्रैल से खोलने की तैयारी कर रहा है। विभाग के द्वारा इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आपको बता दें कि विभाग ने 10 साल बाद बदला स्कूलों का समय बदला है। नए सत्र में एक अप्रैल से स्कूल खुलने के बाद 15 मई तक पढ़ाई होगी। इसके बाद तय शेड्यूल के अनुसार 16 मई से 20 जून तक गर्मियों की छुट्टी रहेगी।

21 जून से स्कूलों का संचालन फिर से शुरू होगा

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद 21 जून से स्कूलों का संचालन फिर से शुरू होगा. अब तक हर साल स्कूलों का नया सत्र 1 जुलाई से शुरू होता था। प्रदेश के करीब 70 हजार सरकारी स्कूलों में 70 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। इस नए फैसले के बाद विद्यार्थियों के पाठ्यक्र म को व्यवस्थित ढंग से पढ़ाने में मदद मिलेगी।

6 मार्च को जयपुर स्थित शिक्षा संकुल में एक बैठक का आयोजन

इसके लिए शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में 6 मार्च को जयपुर स्थित शिक्षा संकुल में एक बैठक का आयोजन भी किया जाएगा। इस बैठक में राजस्थान में शिक्षक संघों के दो प्रतिनिधियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है. ताकि नए सत्र का क्रि यान्वयन सुचारू रूप से शुरू हो सके।

आयुष औषधियों की सुरक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, फार्माकोविजिलेंस को मजबूत करने पर जोर

आयुष औषधियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है - कुलपति प्रो. शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष औषधियों की सुरक्षा, दुष्प्रभाव की रिपोर्टिंग और भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी जैसे अहम विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य आयुष फार्माकोविजिलेंस के प्रति जागरूकता बढ़ाना और रिपोर्टिंग सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यशाला में पांच तकनीकी सत्र हुए। इन सत्रों में विशेषज्ञों ने आयुष औषधियों की

सुरक्षा, दुष्प्रभावों की पहचान और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया, भ्रामक विज्ञापनों की शिकायत कैसे करें तथा आयुष सुरक्षा पोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर संबोधित करते हुए कहा कि आयुष मंत्रालय फार्माकोविजिलेंस को लेकर पूरी तरह सजग है और इस गंभीर विषय पर विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय पिछले दस वर्षों से राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम को मजबूत और व्यापक बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा, "आयुष औषधियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि हम दुष्प्रभावों की सही समय पर रिपोर्टिंग करेंगे तो मरीजों की सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होंगे। सभी चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।" इंटरमीडियरी फार्माकोविजिलेंस सेंटर के समन्वयक प्रोफेसर सुदीप्त रथ और सह-समन्वयक डॉ. तरुण शर्मा ने बताया कि देशभर में करीब 100 परिधीय केंद्र आयुष फार्माकोविजिलेंस के तहत कार्य कर रहे हैं। ये केंद्र आयुष औषधियों से संबंधित दुष्प्रभावों और भ्रामक विज्ञापनों की रिपोर्ट एकत्र कर आगे कार्रवाई के लिए भेजते हैं।

डीडी फार्मास्युटिकल्स में विद्यार्थियों का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज़ के डिप्लोमा प्रथम वर्ष एवं बी.फार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने DD Pharmaceuticals, RIICO Industrial Area में एक शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मास्युटिकल उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली तथा विभिन्न विभागों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को गुणवत्ता आश्वासन (क्वालिटी एश्योरेंस – QA), गुणवत्ता नियंत्रण (क्वालिटी कंट्रोल – QC), उत्पादन (प्रोडक्शन) एवं पैकेजिंग विभागों की विस्तृत जानकारी दी गई। गुणवत्ता आश्वासन (QA) विभाग में SOPs, दस्तावेज़ीकरण एवं GMP मानकों की जानकारी दी गई, जबकि गुणवत्ता

नियंत्रण (QC) विभाग में कच्चे माल, इन-प्रोसेस एवं फाइनल उत्पाद की जांच प्रक्रियाओं का अवलोकन कराया गया। उत्पादन विभाग में दवा निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाएँ तथा पैकेजिंग विभाग में लेबलिंग, पैकिंग एवं बैच कोडिंग की जानकारी दी गई। कंपनी के गुणवत्ता आश्वासन प्रबंधक (QA मैनेजर) पुनीत चोपड़ा ने सभी विभागों की कार्यप्रणाली को सरल भाषा में समझाया और विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। इस औद्योगिक भ्रमण का मार्गदर्शन एसोसिएट प्रोफेसर नितिन शुक्ला एवं शिक्षिका कविता भट्ट द्वारा किया गया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान को औद्योगिक वातावरण से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। यह औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

होली पर 21 फरवरी से दो मार्च तक 55 लाख से अधिक यात्रियों को पहुंचाया गंतव्य तक

जयपुर @ जागरूक जनता। उत्तर पश्चिम रेलवे ने होली त्योहार के दौरान भारी यात्री भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की और गत 21 फरवरी से दो मार्च तक 55 लाख से अधिक यात्रियों को सुगमता से गंतव्य तक पहुंचाया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार रेलवे द्वारा होली पर्व के अवसर पर विभिन्न मार्गों पर यात्री भार की समीक्षा कर यात्रियों को सुगम रेल यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है और होली के लिए 295 ट्रिप नई स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अधिसूचना जारी की गई है जो कि विभिन्न गंतव्यों गोरखपुर, समस्तीपुर, योगनगरी ऋषिकेश, अमृतसर, मैसूरू, काकिनाडा, गोमतीनगर, भावनगर टर्मिनस, हावडा, तिरूपति, मऊ, साबरमती, दानापुर, आसनसोल, चैन्नई एग्मोर, वडोदरा, कोलकाता के लिए संचालित की जा रही है। होली पर्व से पूर्व के सप्ताह में 54 ट्रिप नई स्पेशल ट्रेनें संचालित की गई है। यह ट्रेनें गोरखपुर, मैसरू, काकिनाडा, भावनगर टर्मिनस, हावड़ा, तिरूपति, दानापुर, कोलकाता, साबरमती, असारवा तथा अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों की ओर संचालित की गई है।

भ्रातृत्व एवं पारिवारिक एकता ही समाजिक सुदृढ़ता का आधार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय चेयरमैन (अग्र कार्य योजना) श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने हाल ही में घटित एक अत्यंत भावुक संस्मरण साझा किया, जिसने उपस्थित जनों को गहराई से स्पर्श किया। उन्होंने बताया कि दिनांक 19 फरवरी को अपने निकटतम् रिश्तेदार की सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित होने पर, उनका मन अत्यंत आश्चर्यचकित एवं व्यथित हुआ, जब उन्होंने देखा कि लडकी के पिता के सगे दोनों भ्राता –अग्रज एवं अनुज – इस महत्वपूर्ण पारिवारिक अवसर पर उपस्थित नहीं थे।

स्थिति की जानकारी प्राप्त करने हेतु उन्होंने औपचारिक रूप से लड़की के पिता से चर्चा की और उसे भ्रातृत्व, पारिवारिक एकता तथा सामाजिक दायित्व के महत्व का आत्मीय बोध कराया। दोपहर लगभग 12 बजे उन्होंने लड़की के पिता के अग्रज से दूरभाष पर विस्तृत वार्ता की। उनका पक्ष पूर्ण धैर्य और संवेदनशीलता से सुनने के पश्चात उन्होंने विनम्र निवेदन किया – "विवाह समारोह में आप लोगों की अनुपस्थिति देखकर मुझे अत्यंत खेद हुआ। जीवन में अनेक अवसर ऐसे आते हैं, जिनमें भूलों का परिमार्जन संभव होता है, किंतु इस पुत्री के विवाह में अनुपस्थिति का परिमार्जन भावी जीवन में कभी संभव नहीं होगा।" "मेरी हार्दिक इच्छा है कि पूर्व में हुई सभी कटुताओं पर मिट्टी डाल कर, आप दोनों भाई सहर्ष विवाह समारोह में सम्मिलित हों तथा भ्रातृ-प्रेम, पारिवारिक एकता और अपनी संस्कृति की सुंदर मिसाल प्रस्तुत करें।" श्री अग्रवाल ने आगे बताया कि संध्या लगभग 6 बजे लड़की के पिता के अग्रज का संदेश प्राप्त हुआ कि वे विवाह में आने के लिए प्रस्थान कर रहे हैं।

14 प्रतिभाओं ने 'ज्ञान मंच' पर दी प्रस्तुति

टिल्स एजुकेशन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। गांधीनगर स्थित टिल्स एजुकेशन के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उदयपुर स्थित स्टार्टअप वर्कमोब प्राइवेट लिमिटेड के ज्ञान मंच पर अपने विचार प्रस्तुत किए। यह आयोजन टिल्सएजुकेशन व वर्कमोब प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों कोप्रदान किया गया। कार्यक्रम में टिल्स एजुकेशन के निदेशक अभिलाष मोदी की भूमिका मार्गदर्शकके रूप में रही। उन्होंने ज्ञान मंच पर सूचना से ज्ञानतक की यात्रा विषय पर अपने अनुभव साझा किए। वहीं संस्थान की स्पोकन इंग्लिश ट्रेनर व कम्युनिकेशन कोच दिव्यांशी शुक्लाने सुनने व सीखने के चार चरण विषय पर प्रस्तुति देकर कम्युनिकेशन में सुननेके महत्व को सरल शब्दों में समझाया।कार्यक्रम में भाग लेने वाले

प्रतिभागियों में पलक गोखरू, छाया कुमारी बोराना, यश कुमार, शिवम कुमार, ईशा शर्मा, अमृता पारीक, हंशीका टाक, अभिषेक ठठेरा, साहिल रंगरेज, मीनाज़ खान, पूनम सोनी और खुशी व्यास शामिल रहे। सभी विद्यार्थियों ने जीवन से जुड़े विषयों जैसे कम्युनिकेशन, सुनने की कला, आत्मबोध, कृतज्ञता, सामाजिक ज़िम्मेदारी, बेरोज़गारी और ओनेस्ट संवाद पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियाँ मुख्य रूप से अंग्रेजी तथा आंशिक रूप सेहिंदी में दीं, जिससे उनकी सोच कीस्पष्टता और आत्मविश्वास साफ़ तौर पर दिखाई दिया। निदेशक अभिलाष मोदी ने बताया कि यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए बेहदप्रेरणादायक रहा और इन प्रस्तुतियों को जल्द ही वर्कमोब के ज्ञान मंच के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साझा किया जाएगा। यह आयोजन विद्यार्थियों की सोच, कम्युनिकेशन स्किल्स और सामाजिक समझ को निखारनेके साथ-साथ उन्हें अपनी बात आत्मविश्वास के साथ रखने का एक सशक्त और प्रभावी मंच रहा।

जागरूक जनता
फार्म-4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	जे.पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	साप्ताहिक
3.	मुदक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा** हाँ बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
4.	प्रकाशक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा** हाँ बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
5.	संपादक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	**ज्ञानेन्द्र मिश्रा** हाँ बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)
6.	उन व्यतियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	उपरोक्त

मैं, ज्ञानेन्द्र मिश्रा एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
प्रकाशक के हस्ताक्षर

नींद

फिट रहने की हिट एक्सरसाइज़!

फिट होने के लिए एक तरफ जहां डाइट पर काबू होना चाहिए, वहीं फिजिकल ऐक्टिविटी से भी भाग नहीं सकते। इनके साथ एक और तरीका भी है। वह है हेल्दी स्लीपिंग का। अगर हम अपना लक्ष्य 6-8 घंटे की अच्छी नींद की बना लें और इसे पा लें तो यह भी हमारे शरीर के ज्यादातर सिस्टम के दुरुस्त होने की निशानी है। ...तो फिर क्यों न **2026 को हेल्दी स्लीपिंग ईयर** घोषित कर दें।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

स्पेशल स्टोरी

इस साल से लें चैन की नींद

Photos : Adobe Stock

आपको यकीन हो या न हो, लेकिन यह सच है कि सिर्फ अच्छी नीद लेने से ही शरीर फिट हो सकता है! कोई शख्स तभी गहरी नीद ले सकता है जब वह मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट हो। दरसअल, जिस तरह किडनी हमारे शरीर में खून साफ करके वेस्ट प्रोडक्ट को बाहर निकालने में मदद करती है, वही काम नीद हमारे ब्रेन के लिए करती है। ब्रेन की सफाई अच्छी नीद में होती है। अगर नीद सही से नही लेते है तो दिमाग में कचारा जमा होने लगता है। इससे अल्जाइमर्स, डिमेंशिया जैसी परेशानी भी हो सकती है।

गहरी नींद से ही मिलती है फिटनेस की मंज़िल

हर बार नए साल पर इच्छा होती है कि फिजिकल ऐक्टिविटी खूब करेंगे, ब्रिस्क वॉक करेंगे, हर दिन मांसपेशियों को मजबूत करने वाली एक्सरसाइज करेंगे, लेकिन इच्छाशक्ति हर साल कमज़ोर हो जाती है। अब चूंकि एक्सरसाइज नहीं कर पाते, डाइट भी सही नहीं रख पा रहे है, इन सभी की वजह से नींद की क्वॉलिटी भी खराब हो रही है या यों कहें कि अच्छी नींद नहीं आ रही, इसलिए सुबह उठना मुश्किल हो जाता है। दिनभर थकावट बनी रहती है यानी नींद का पैटर्न खराब हो रहा है। स्लीप पैटर्न को सुधार लें।

कम नींद से पेट भरने वाले हार्मोन नहीं कर पाते काम

हमारे शरीर में दो तरह के कंट्रोल काम करते हैं। एक न्यूरल और दूसरा हार्मोनल। न्यूरल क्विक रिस्पांस के लिए होता है और हार्मोनल कुछ धीमे रिस्पांस के लिए। भूख लगना, पेट भरने का सिग्नल पहुंचना, ये सब हार्मोनल रिस्पांस का हिस्सा है। भूख और पेट भरने में दो तरह के हार्मोन काम करते हैं।

1. Ghrelin (ग्रेलिन): इसे भूख बढ़ाने वाला हार्मोन कहा जाता है। जब हम देर रात जगते हैं या फिर नींद पूरी नहीं करते तो यह हार्मोन ज्यादा मात्रा में निकलता है यानी बढ़ जाता है और ज्यादा भूख लगती है। ज्यादा भूख लगने पर हम देर रात भी मंचिंग करते हैं। जंक फूड, मीठा आदि बहुत ज्यादा खाते हैं। आखिकार यह वज़न ही बढ़ाता है।

2. Leptin (लेप्टिन): यह पेट भरे होने का सिग्नल देने वाला हार्मोन है। जब हम जगे रहते है तो यह हार्मोन कम निकलता है यानी इसकी मात्रा कम हो जाती है। इससे दिमाग को पेट भरने का पता सही वक्त पर नहीं चलता और हम ज्यादा खा लेते है। ज्यादा खाना मतलब ज्यादा कैलरी लेना और अपना वजन बढ़ा लेना। क्योंकि कैलरी अंत में फैट मे ही बदल कर शरीर में स्टोर होती है।

कम नींद से मेटाबॉलिज़म भी हो जाता है स्लो

जब हम कम सोते है यानी नीद की कमी रहती है तो हमारे शरीर का मेटाबॉलिज़म भी धीमा हो जाता है। इससे कैलरी सही तरके से बर्न नही होती और कैलरी शरीर में ही स्टोर होने लगती है। यह बेली फैट के रूप में ही ज्यादा होती है।

स्लीप पैटर्न को समझने से नींद की क्वॉलिटी में सुधार

स्लीप स्टडी को पॉलिसोम्नोग्राफी (Polysomnography) भी कहा जाता है। यह सुविधा कई बड़े अस्पतालों में है और इस स्टडी को घर पर भी किया जाने लगा है। जिन्हें नीद न आने की परेशानी है, उन्हें अस्पताल के ही एक कमरे में अमूमन रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक सुलाया जाता है। उस शख्स की बॉडी पर कई तरह की डिवाइस लगी होती है जिनसे उसकी ब्रेन की ऐक्टिविटी, हार्ट बीट, सांस लेने का पैटर्न, ऑक्सिजन लेवल, मसल्स की ऐक्टिविटी, खर्राटे और सांस रुकना आदि सभी को मॉनिटर किया जाता है।

सूरज की रोशनी को पहचानती हैं हमारी आंखें

हमारे शरीर को जिस सिस्टम के तहत काम करना होता है, उसमें लाइट की अहम भूमिका होती है। उसे यह पता है कि रात बनी है सोने के लिए और दिन है काम करने या फिर ऐक्टिव रहने के लिए। यह तारतम्यता के साथ होता है और इसी को सर्केडियन रिदम कहते है। दूसरे शब्दों में शरीर की कुदरती बॉडी क्लॉक। यह बॉडी क्लॉक यानी शरीर की घड़ी 24 घंटे के चक्र पर आधारित होती है और सोने-जागने के क्रम को काबू में रखती है। ऐसा माना जाता है कि यह रिदम न सिर्फ नीद बल्कि शरीर के तापमान, हार्मोन निकालने, डाइजेशन जैसी चीजों पर भी असर डालता है। हमारे शरीर में सभी बायोलॉजिकल प्रोसेस की एक साइकल चलती है। जब सुबह होती है और रोशनी रेटिना पर महसूस होती है तो रेटिना एक संदेश दिमाग को भेजती है। दिमाग जागने का संकेत देता है। नीद खुल जाती है।

नींद की क्वॉलिटी पता करने वाली डिवाइस

स्मार्ट रिंग्स और स्लीप ट्रैकिंग डिवाइस: ये नीद के पैटर्न को समझने और शरीर में ऑक्सिजन की उपलब्धता यानी सैचुरेशन को पता करने के लिए इस्तेमाल होगी। इन मशीनों का उपयोग करके पता कर सकते है कि किसी शख्स की नीद क्यों खराब हो रही है।
कीमत: 2500 रुपये से शुरू

स्मार्ट तकिये और गद्दे: ये दोनों ही चीजें सही तरीके से सोने में मदद करती हैं। इनकी मदद से खर्राटों के साथ OSA में भी कुछ राहत मिल जाती है।
कीमत: 1500 से 5000 रुपये

अच्छी और गहरी नींद के लिए आसान उपाय...

- अच्छी और सेहतमंद नीद के लिए जरूरी है कि हम कुदरती प्रक्रिया को अपनाएं। बेड पर जाने पर दिमाग की ऐक्टिविटी जितनी जल्दी कम होगी, हम उतनी जल्दी सो जाएंगे। गहरी नींद का मतलब है 100 डेसिबल साउंड की आवाज़ होने पर भी नींद न खुले।
- रात 9 से 11 बजे तक सो जाएं और सुबह 5 से 6 बजे तक उठ जाएं।
- सोने से 2-3 घंटे पहले डिनर लें।
- सोने से 30 मिनट से 1 घंटा पहले नो स्क्रीन (न मोबाइल देखना, न टीवी, न लैपटॉप) टाइम का पालन जरूर करना चाहिए।
- शाम 6-7 बजे के बाद चाय या कॉफी न लें। इनमें मौजूद कैफीन नीद को दूर करने का काम करता है। इससे मेलेटोनिन बनने में दिक्कत होती है।
- सोने के कमरे में कम रोशनी या अंधेरा रखें। इससे शरीर सही मात्रा में नींद के लिए जरूरी हार्मोन बना पाता है। एक तरह से सोने का माहौल तैयार कर लें।
- बेड, तकिया आदि को आराम के अनुसार चुनें। कितना मोटा पिल्लो होगा इसे आप ही तय करें।
- तकिये की ऊंचाई न बहुत ज्यादा हो और न बहुत कम। आरामदायक स्थिति ही बनाए रखें।
- किस दिशा में सोना है, इससे ज्यादा फर्क नही पड़ता।
- पेट के बल सोने से बचना चाहिए। साइड में बेस्ट है, करवट लेकर लेफ्ट या राइट।
- अगर किसी की नीद स्ट्रेस आदि की वजह से डिस्टर्ब हुई हो तो पहले स्ट्रेस को दूर करना जरूरी है। इसके लिए साइकॉलजिस्ट की मदद ली जा सकती है।

जब स्ट्रेस नींद खराब करे तो...

वैसे तो हर शख्स किसी न किसी वजह से तनाव में होता है। कई बार तनाव जिम्मेदारी निभाने के लिए अहम भी है। पर जब वही तनाव नीद में खलल पैदा करने लगे तो उपाय करें।

- आज के काम को आज ही खत्म करने की कोशिश करें।
- अगर कोई परेशानी है तो उसे ऊपर वाले के पास पार्क कर दें और जब दूसरे दिन उठें तो उनसे फिर से वह परेशानी लेकर उसका हल खोजने की कोशिश करें।
- अपने शौक पालें। संगीत सुनें, गाना गाएं, खेलने जाएं।
- अगर इन उपायों से भी स्ट्रेस कम न हो और नीद आने में परेशानी होती रहे तो किसी क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट या सायकायट्रिस्ट से मिल सकते हैं।

अगर बैठे-बैठे या खड़े-खड़े सोते है: कुछ लोग मेट्रो में, बसों मे सीट पर बैठे-बैठे या फिर खड़े होकर ही नीद की झपकी मारने लगते या सो जाते हैं। अपनी इस आदत को वे कई बार बढ़ा-चढ़ाकर बताते है कि हमें तो सोने की कोई फिक्र नही, हम तो कहीं भी और कभी भी, किसी भी हाल में सो लेते हैं। इसे सही नही कहा जा सकता। नीद रात में पूरी हो, 6 से 8 घंटे की लगातार हो। टुकड़ों की नीद सही नहीं।

इन सवालों के जवाब ज़रूर पढ़ें

Q अल्कोहल आदि लेने से अच्छी नीद आती है?
A कई लोग इस गलतफहमी में जीते हैं कि सोने से पहले अल्कोहल लेने से अच्छी नीद आती है। सचाई इससे कोसों दूर है। असल में अल्कोहल नींद भगाने के लिए जिम्मेदार है। दूसरी परेशानी है कि लगातार अल्कोहल से लत लग जाती है।

Q बेड पर जाने के बाद भी करवटें ही बदलते रहें तो क्या करें?
A अगर नीद किसी स्ट्रेस की वजह से उड़ गई है और ऐसा अक्सर होता है तो पहले स्ट्रेस दूर करें। अगर ऐसा कभी-कभी हो तो उसके लिए उपाय किए जा सकते हैं। दरअसल, नीद भागने की वजह यह भी है कि हम उसके बारे में सोच-सोचकर परेशान होने लगते हैं। ऐसे मे उस शख्स को किताबें पढ़ना, हल्की आवाज में संगीत सुनना जैसे काम करने चाहिए। अगर कमरे में कही से रोशनी आ रही हो तो उसे भी बंद कर देना चाहिए।

Q सपनों की वजह से नीद कब डिस्टर्ब होती है?
A जब हम नीद मे जाते है तो ब्रेन की ऐक्टिविटी कम होने लगती है। जब सबसे ज्यादा गहरी नीद में होते हैं तो भी ब्रेन की ऐक्टिविटी जीरो नही होती, लेकिन बहुत कम ऐक्टिव रहता है। कई बार हम सपनो में ही ऐक्ट करने लगते है, जैसे कुछ बोलना, हाथ-पैर चलाना, कुछ लोगों को स्लीप वॉकिंग यानी नीद में चलने की आदत होती है। अगर कोई शख्स इस तरह की ऐक्टिविटी कर रहा है तो मुमकिन है कि यह समझ लें कि नीद की

क्वॉलिटी उतनी अच्छी न हो क्योंकि नीद में भी उसका ब्रेन काफी ऐक्टिव रह रहा है। इससे वह गहरी नीद में जा ही नही पा रहा। लेकिन अगर इस तरह की परेशानी या कोई रुकावट नही है तो नीद गहरी होगी। सीधे कहें कि नींद में देखे हुए जो सपने नींद खुलने के बाद याद न रहे, वह नींद बेहतर मानी जा सकती है। उठने के बाद फ्रेश महसूस होना चाहिए। ऐसा न लगे कि अभी और सोना है।

Q खराब नीद मतलब इम्यूनिटी भी कमजोर?
A दो-तीन दशक पहले तक नीद को ज्यादा गंभीरता से नही लिया जाता था बल्कि यह माना जाता था कि 'जो सोया वो खोया, जो जागा सो पाया।' लोग यह मानते थे कि हमारी सेहत में, हमें सेहतमंद बनाने में नीद की कोई खास भूमिका नही है। लेकिन जैसे-जैसे स्टडी हुई, नई रिसर्च सामने आई तो यह तय होता गया कि नीद की भूमिका शरीर की लगभग हर गतिविधि में होती है। अच्छी नींद का सकारात्मक असर हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं पर होता है। शरीर की इम्यूनिटी बेहतर होती है।

इस साल हम यह ज़रूर ठान लें कि...

- हर रात कम से कम 6 से 8 घंटे की हेल्दी नीद लेंगे और जब सुबह उठेंगे तो फ्रेश महसूस करेंगे।
- यह नीद 10 बजे रात तक शुरू कर देंगे और 6 बजे सुबह तक खत्म कर देंगे।
- खुद सोने से कम से कम 1 घंटा पहले मोबाइल यानी स्क्रीन को सुला देंगे।
- अगर ज्यादा फिजिकल ऐक्टिविटी नही भी कर पाए तो भी नीद को डिस्टर्ब नही करेंगे।
- अगर डाइट में ज्यादा बदलाव नही भी कर पाए तो भी नीद में खलल पैदा होने नही देंगे और गहरी नीद लेंगे।
- नीद पूरी करके न्यूरो और दूसरे सिस्टम को हेल्दी रखेंगे।
- यह समझते है कि एक अच्छी नीद का मतलब सेहतमंद शरीर है।

एक्सपर्ट पैनल

डॉ. विजय हड्डा
डिपा. पल्मनरी, क्रिटिकल केयर ऐंड स्लीप मेडिसिन, AIIMS

डॉ. जी. सी. खिलनानी
चेयरमैन, डिपार्टमेंट ऑफ पल्मोनरी, PSRI

डॉ. दलजीत सिंह
VC एंड हेड, न्यूरो सर्जरी, MAX स्मार्ट

डॉ. रमन कपूर
चेयरमैन, मेडिकल एक्यूपंक्चर, सर गंगाराम हॉस्पिटल

डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
एसो. प्रोफेसर
जोधपुर आयुर्वेद विवि

डॉ. नीतू जैन
सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनलॉजी, क्रिटकल केयर

अच्छी नींद में ये भी हैं मददगार

एक्यूपंक्चर से भी नींद की समस्या का समाधान!

सुई चिकित्सा जिसे एक्यूपंक्चर कहते है, इसकी अपनी भूमिका है। कई तरह के इलाज में यह सफल है। गहरी नींद लाने के मामले में या स्लीपिंग पैटर्न को दुरुस्त करने में भी इसका अहम रोल है। अहम बात यह कि इसमें कोई दवा नही दी जाती, इसलिए इसका साइड इफेक्ट्स भी नही है और न ही इसका एडिक्शन होता है। एक्यूपंक्चर ने दिनचर्या को यांग (Yang) और यिन (Yin) के संतुलन पर आधारित किया है। यांग जहां दिन के लिए है, वही यिन रात के लिए। एक्यूपंक्चर के अनुसार हर शख्स को अपनी ज्यादातर ऐक्टिविटी यांग में ही करनी चाहिए। यह समय होता है शरीर में बनने वाली एनर्जी को यूज करने का। वहीं, यिन होता है शरीर के आराम करने के लिए। दिमाग को सुकून देने के लिए। अगर कोई शख्स रात मे जगता है, देर रात खाना खाता है तो स्वाभाविक है कि उसके तमाम सिस्टम को हर वक्त ऐक्टिव रहना पड़ता है।

- एक्यूपंक्चर के अनुसार हमारे शरीर में कुछ अंगों में खास पॉइंट होते है, जिन्हें ऐक्टिव करने से नीद की क्वालिटी अच्छी हो जाती है। शरीर में ऐसे पॉइंट सिर में, हाथ और पैरों मे होते हैं जहां पर सुई चिकित्सा की जाती है।

आयुर्वेद में नींद लाने के उपाय हैं काफी कारगर

आयुर्वेद में सेहतमंद शरीर के तीन स्तंभ बताए गए है- आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य। इसमें निद्रा एक अहम स्तंभ है और अहम बात यह कि ये तीनों आपस में जुड़े हुए हैं। एक-दूसरे पर आश्रित हैं। इसलिए अच्छी नीद लेनी ही चाहिए और इसके लिए जतन भी ज़रूर करने चाहिए।

सोने से पहले

सर्दियों में: अगर नहाना मुमकिन न हो तो गुनगुने पानी से चेहरे, पैरों आदि को धो लें। पैरों को 10 मिनट गुनगुने पानी में डुबाकर रखें। पैरों की मांसपेशियों को आराम मिलता है। अच्छी नीद आती है।

गर्मियों में: गर्मियों और बरसात में रात को सोने से पहले सामान्य पानी से नहाना ही चाहिए। इससे ताजगी महसूस होती है।

शवासन: अगर नीद की परेशानी हो तो शवासन बहुत फायदा पहुंचा सकता है। अपने शरीर को पैरों से ढीला करते हुए एक-एक अंग करके सिर तक पहुंचना है। पूरे शरीर की मांसपेशियां आराम की मुद्रा में पहुंच जाती हैं। शुरुआती दिनों में शवासन की मुद्रा में 15 मिनट तक रहना चाहिए।

मेडिटेशन: हर रात सोने से पहले 5 से 10 मिनट का मेडिटेशन कर सकते हैं। यह मन को शांत करने में अहम भूमिका निभाता है। अगर किसी को नीद की समस्या न हो तो भी इससे फायदा है।

घरेलू नुस्खे भी आजमा सकते हैं अच्छी नींद के लिए

जायफल: गाय के दूध में एक चुटकी जायफल या खसखस मिलाकर लेने से नीद में फायदा होता है।

तेल वाली रुई से फायदा: सिर पर ब्राह्मी आंवला या नारियल तेल को रुई (पैर के तलवों के साइज) में डुबोकर सिर के ऊपरी हिस्से में स्कार्फ या मफलर की मदद से बांधकर रखने से मन रिलैक्स होता है।

सिर की मालिश: यह तन और मन के बीच ऊर्जा का संतुलन बनाता है। शरीर के तापमान पर काबू रखता है और शरीर में खून व दूसरे द्रवों के बहाव में सुधार करता है। इस तरह हर दिन मालिश करने से मानसिक शांति बनी रहती है। इससे तनाव दूर होता है और रात में गहरी नीद आती है। मालिश हल्के हाथों से करनी चाहिए।

- **अजवाइन की प्रकृति** ही नीद लाने वाली है। अगर कोई शख्स पित्त प्रकृति का है तो वह 250 मिली ग्राम (आधा चुटकी), वात और कफ प्रकृति वाले 1 चुटकी अजवाइन पानी के साथ सोने से पहले निगल लें तो फायदा होता है।
- खाने में **गाय का घी** एक चम्मच लेने से भी नीद में फायदा पहुंचता है। वही श्रीखंड (दही का बना होता है) या दही आधी कटोरी लेनी चाहिए।

फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी पर जसोलधाम में उमड़ा जनसैलाब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जसोल। फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी के पावन एवं अत्यंत शुभ अवसर पर श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल में श्रद्धा एवं भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रातःकालीन मंगला आरती से ही दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी प्रारंभ हो गई। भक्तों ने अनुशासित रूप से दर्शन करते हुए श्री राणीसा भटियाणीसा, श्री बायोसा, श्री सवाईसिंह जी, श्री लाल बन्ना सा, श्री खेतलाजी एवं श्री काला-गौरा भैरूजी के मंदिरों में विधिवत पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर नवविवाहित दंपतियों ने भी विशेष रूप से मंदिर पहुंचकर मां जसोल के चरणों में शीश नवाया तथा अपने दाम्पत्य जीवन में प्रेम, सौहार्द, अखंड सौभाग्य एवं समृद्धि की मंगल कामनाएं की। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए मंदिर संस्थान द्वारा व्यापक एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। परिसर में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, सुव्यवस्थित झीग-झेग लाइनिंग प्रणाली, छाया प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी तथा पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम द्वारा श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन एवं आवश्यक सूचनाओं का निरंतर प्रसारण किया गया। इन व्यवस्थाओं के कारण दर्शन व्यवस्था शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुचारू रूप से संचालित रही।

त्रयोदशी के पुण्य अवसर पर जसोल नगर पालिका क्षेत्र के सर्व समाज की कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें फल-प्रसाद एवं अन्नपूर्णा प्रसादम ग्रहण करवाया गया तथा श्रद्धापूर्वक दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया गया। त्रयोदशी की पूर्व संध्या पर मंदिर परिसर में भव्य रात्रि जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय भजनियों द्वारा सुमधुर भक्ति प्रस्तुतियां दी गईं। भक्ति रस से ओतप्रोत वातावरण में श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते हुए भाव-विभोर रहे। त्रयोदशी के शुभ अवसर पर आयोजित संध्याकालीन आरती का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिससे देश-विदेश में विराजमान माँ जसोल के असंख्य भक्तजन घर बैठे ही दिव्य आरती एवं दर्शन लाभ प्राप्त कर सके। लाइव प्रसारण के माध्यम से श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ आरती में सहभागिता कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

आगामी चंद्रग्रहण के मद्देनज़र संस्थान प्रवक्ता कुंवर हरिश्चंद्र सिंह जसोल ने जानकारी दी है कि दिनांक 3 मार्च को प्रातः 6:30 बजे से सायं 7 बजे तक मंदिर के कपाट परंपरानुसार मंगल रहे। ग्रहण काल के दौरान मंदिर में नियमित पूजा-पाठ, आरती एवं दर्शन व्यवस्था स्थगित रही।

शिक्षा, सेवा और संकल्प का नाम-डॉ. राजकुमार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. राजकुमार उन शिक्षाविदों में से हैं जिन्होंने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम मानते हुए उसे व्यवहार में उतारने का निरंतर प्रयास किया है। अपनी दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व क्षमता और शिक्षा के प्रति अटूट समर्पण के बल पर उन्होंने विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका लक्ष्य केवल शिक्षित युवा तैयार करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र निर्माण में भागीदार नागरिक तैयार करना है। डॉ. राजकुमार के मार्गदर्शन में माधव विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रोफेशनल, तकनीकी और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का व्यापक विस्तार किया है। उनका विशेष जोर इस बात पर रहा है कि विद्यार्थी केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्योग, अनुसंधान और रोजगार की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाए। इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय में नियमित रूप से इंडस्ट्री इंटरैक्शन, विशेषज्ञ व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्लेसमेंट गतिविधियों का आयोजन होता रहता है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार होते हैं।

उनकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी अग्रणी बना हुआ है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविर, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार तथा स्वास्थ्य संबंधी पहलें निरंतर संचालित की जा रही हैं। डॉ. राजकुमार का मानना है कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

डॉ. राजकुमार ने आधारभूत संरचना और शैक्षणिक संसाधनों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया है। आधुनिक प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालय, डिजिटल लर्निंग सिस्टम, खेल सुविधाओं और बेहतर शिक्षण वातावरण की उपलब्धता ने विद्यार्थियों को बहुआयामी विकास का अवसर प्रदान किया है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने क्षेत्रीय स्तर से आगे बढ़कर राष्ट्रीय पहचान की ओर मजबूत कदम बढ़ाए हैं और निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है।

वे विद्यार्थियों से नियमित संवाद रखते हैं और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन में रहकर मेहनत करने तथा नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देते हैं। उनका विश्वास है कि सकारात्मक सोच और सही मार्गदर्शन से हर युवा असंभव को संभव बना सकता है। यही विचार विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

डॉ. राजकुमार का जीवन शिक्षा, सेवा और संकल्प का सजीव उदाहरण है। उनके सतत प्रयासों से माधव विश्वविद्यालय ज्ञान, संस्कार, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त केंद्र बनकर तेजी से उभर रहा है।

नरेगा संविदा कर्मियों को नियमित करने का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

17 वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्यरत कर्मियों ने जताई उम्मीद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा हाल ही में विधानसभा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संविदा कर्मियों को नियमित करने का मुद्दा उठाने पर रविवार को नरेगा संविदा कर्मियों के प्रतिनिधिमंडल ने उनका अभिनंदन किया। महात्मा गांधी नरेगा संविदा कार्मिक संघ के रतनलाल शर्मा ने बताया कि नरेगा संविदाकर्मी पिछले 17 वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्य करते हुए नियमित होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्ष 2022 में राज्य सरकार स्तर पर इन्हें संविदा सेवा नियम में शामिल कर दो वर्ष में नियमित करने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है।

विधानसभा के मौजूदा सत्र में विधायक आक्या ने जोरदार तरीके से यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि नरेगा संविदा कर्मी वर्षों से कम वेतन पर सेवाएं दे रहे हैं और इतने कम मानदेय में परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा है। उन्होंने सरकार से कर्मियों की मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र नियमित करने की मांग की। इस पर विभागीय मंत्री ने आवश्यक कार्यवाही जल्द करने का आश्वासन दिया।

विधायक द्वारा मुद्दा उठाए जाने से नरेगा संविदा कर्मियों में हर्ष व्याप्त है और उन्हें अब नियमित होने की उम्मीद जगी है। रविवार को बड़ी संख्या में नरेगा संविदा कर्मियों ने विधायक आक्या के कार्यालय पहुंचकर उपरना ओढ़ाकर एवं मेवाड़ी पाग पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर राजेन्द्र बारबर, रतनलाल शर्मा, पारस सालवी, राजेन्द्र शर्मा, भेरूलाल रेगर, देवेन्द्र सिंह चुण्डावत, गोपाल मेनारिया, बंशीलाल गुर्जर, गोपाल दास वैष्णव, नाथुलाल माली सहित अन्य मौजूद रहे।

187 दुकानों की नीलामी कर प्राप्त की 36 लाख 12 हजार 100 रुपए की आय

श्री मल्लीनाथ पशु मेला, तिलवाड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। भारत के प्रसिद्ध श्री मल्लीनाथ तिलवाड़ा पशु मेला का इस वर्ष भव्य आयोजन 15 मार्च से 29 मार्च 2026 तक किया जाएगा। मेले की तैयारियां तेज़ी से जारी हैं और आयोजन को लेकर प्रशासन तथा पशुपालन विभाग सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। मेला प्रभारी डॉ. नारायण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में व्यापारिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से दुकानों की खुली बोली प्रक्रिया 27 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित की गई। यह नीलामी राजकीय 'अ' श्रेणी पशु चिकित्सालय, बालोतरा (जसोल फांटा के पास) के भवन परिसर में पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई। खुली बोली के माध्यम से होटल, हलवाई, ढाबा, भोजनालय, कपड़ा, पीतल, लोहे के सामान, किराणा, मणिहारी बाजार सहित ग्वारीया, सीकलीगर, चमड़ा, बांस एवं भड़भूजा बाजार की कुल 187 दुकानों की नीलामी की गई। इस प्रक्रिया से मेले को 36 लाख 12 हजार 100 रुपये की उल्लेखनीय आय प्राप्त हुई। प्रशासन के अनुसार मेले में पशुधन व्यापार, पारंपरिक बाजार, ग्रामीण संस्कृति तथा लोक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। दूर-दराज़ क्षेत्रों से पशुपालकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है। मेले के दौरान पेयजल, सुरक्षा, चिकित्सा एवं स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि यह मेला बालोतरा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा प्रमुख आयोजन माना जाता है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और पशुपालन गतिविधियों को भी मजबूत करता है।

कमलेश मेटाकास्ट परियोजना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बजट सत्र, स्थानीय विधायक मौन, जनता नाराज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पिण्डवाड़ा। जिले की पिण्डवाड़ा तहसील के चार ग्राम पंचायत–वाटेरा, भीमाना, भारजा और रोहिड़ा–के करीब एक दर्जन गांवों में प्रस्तावित चुना पत्थर खनन परियोजना को लेकर विरोध तेज हो गया है। कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 800.9935 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन की तैयारी के विरोध में ग्रामीण पिछले करीब पांच माह से आंदोलनरत हैं। धरना, प्रदर्शन और घेराव जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण जल, जंगल और जमीन बचाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि यह खनन परियोजना शुरू होती है तो आदिवासी किसान, पशुपालक और गरीब परिवार सीधे प्रभावित होंगे। क्षेत्र की उपजाऊ जमीन बंजर हो सकती है, पशुपालन पर संकट आएगा और पर्यावरण प्रदूषण से बीमारियों का खतरा बढ़ेगा। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पलायन की स्थिति भी बन सकती है।

बजट सत्र में नहीं उठा स्थानीय मुद्दा

इस समय राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और विभिन्न क्षेत्रों के विधायक अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं सदन में उठा रहे हैं। ऐसे में सिरोही जिले की जनता को भी उम्मीद थी कि उनके जनप्रतिनिधि इस खनन परियोजना के विरोध में आवाज उठाएंगे। रेवदर-आबूरोड से कांग्रेस विधायक मोतीराम कोली, आबू-पिण्डवाड़ा से भाजपा विधायक समाराम गरासिया तथा सिरोही भाजपा विधायक एवं राज्य मंत्री ओटाराम देवासी–तीनों पर ग्रामीणों की नजर थी, लेकिन अब तक सदन में इस मुद्दे पर कोई ठोस चर्चा सामने नहीं आई। इससे स्थानीय स्तर पर आक्रोश बढ़ता जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि सरकार जनहितैषी होती तो आदिवासी और किसानों की भावनाओं को समझते हुए परियोजना पर पुनर्विचार करती। स्थानीय विधायकों की चुप्पी उनकी कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रही है।

बेरी गांव के श्री पेमाराम जी गर्ग जलदाय विभाग से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रामजी का गोल/बेरी गांव। बेरी गांव निवासी पेमाराम गर्ग जलदाय विभाग, रामजी का गोल से अपनी दीर्घ सेवाओं के बाद सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों व ग्रामीणों ने उनका साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। सहकर्मियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण भाव से अपनी जिम्मेदारियां निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

सांवरिया सेठ मंदिर भंडार गणना के प्रथम चरण में 10.65 करोड़ की दानराशि

चित्तौड़गढ़/मंडपिया @ जागरूक जनता। फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, सोमवार, विक्रम संवत 2082 के पावन अवसर पर श्री सांवरिया सेठ मंदिर, मंडपिया की भंडार दानपेटी खोली गई। प्रथम चरण की गणना में कुल 10 करोड़ 65 लाख रुपये की दानराशि प्राप्त हुई। मंदिर प्रशासन के अनुसार शेष दानराशि की गणना द्वितीय चरण में 05 मार्च 2026 को की जाएगी। गणना कार्य पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया के तहत मंदिर मंडल पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर मंडल अध्यक्ष जानकीदास वैष्णव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम सहित मंडल के सदस्य, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दुबई अटके बारां परिवार को पांच मार्च की मिली फ्लाइट

बारां @ जागरूक जनता। अमेरिका-इजराइल और ईरान की जंग के कारण दुबई में फंसे एवं वापसी का इंतजार कर रहे राजस्थान के बारां जिले के छह लोग अब गुरुवार को लौट पायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बारां शहर निवासी ओटोमोबाइल व्यवसायी चित्रक पतिरा उनकी पत्नी जिगनेशा पतिरा एवं उनके पुत्र हैताश परिवार की टिकिट बुक नहीं हो पा रही थी। अभी दो कम्पनियों को ही फ्लाइट शुरू हुई और उनमें भी उन लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है जो बुजुर्ग हैं, या जिनके साथ बच्चे हैं।

सांवलिया सेठ की राह होगी और आसान, यहां बन रही फोरलेन रोड, भूमि पूजन हुआ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और मेवाड़-मालवा के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था के केंद्र श्री सांवलिया सेठ के दर्शन अब और भी आसान होंगे। धीनवा स्थित खेल मैदान में आयोजित समारोह के दौरान बहुप्रतीक्षित निंबाहेड़ा-मंगलवाड़ फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। श्रीकल्लाजी वेदपीठ के बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न कराया।

मंच पर मौजूद रहे जिले के दिग्गज

समारोह में क्षेत्रीय विधायक श्रीचंद कृपलानी के साथ चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, चित्तौड़गढ़ भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष महावीर सिंह कृष्णावत, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, निवर्तमान जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर और निवर्तमान प्रधान बगदीराम धाकड़ मंचासीन रहे। साथ ही भाजपा जिला महामंत्री रघु शर्मा, एसटी मोर्चा प्रदेश मंत्री अमर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी, कनेरा मंडल अध्यक्ष जुगलकिशोर धाकड़, छोटीसादड़ी के पूर्व नपा अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल, पूर्वी मंडल अध्यक्ष विक्रम कुमावत, पश्चिम मंडल अध्यक्ष लोकेश धाकड़ और क्षत्रिय महासभा के नारायण सिंह बडौली ने भी शिरकत की। प्रशासनिक अधिकारियों में आरएसआरडीसी के डीजीएम आरके माहेश्वरी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर लालचंद वर्मा और उपखंड अधिकारी विकास पंचौली उपस्थित रहे।

पिछली सरकार ने केवल घोषणाएं की-कृपलानी

विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि इस फोरलेन का शिलान्यास मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया था। हालांकि तकनीकी कारणों से कार्य में कुछ देरी हुई, लेकिन अब काम पूरी गति से शुरू हो चुका है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार ने इस सड़क को लेकर केवल घोषणाएं कीं, जबकि धरातल पर काम वर्तमान भाजपा सरकार ने शुरू करवाया है। कृपलानी ने नगर परिषद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को भी निराधार बताया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम

पोस्टर, प्रदर्शनी के जरिए बताये तंबाकू के नुकसान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) एवं तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ जिला सवाईमाधोपुर व विकल्प इंडिया सोसाइटी, जयपुर के सहयोग से "तंबाकू-मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम" का शानदार आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाए गए इस पहल में सवाईमाधोपुर जिले के सभी ब्लॉक खंडार बामनवास सवाईमाधोपुर गंगापुर बोली मलारना डूंगर चौथ का बरवाड़ा के स्कूल-कॉलेजों में वाद विवाद ,चित्रकला, पोस्टर प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुए।

विकल्प इंडिया सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से परिचित कराना और उन्हें रोकथाम के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोसाइटी प्रतिनिधि हर विद्यालय महाविद्यालय में जाकर जागरूकता फैला रहे हैं, जिससे "तंबाकू-मुक्त विद्यालय" की नीति को धरातल पर उतारा जा सके। वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने तंबाकू के सामाजिक और स्वास्थ्य-परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बाद आयोजित संवाद सत्र में शिक्षक, सोसाइटी के सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र-छात्राओं ने खुलकर प्रश्न पूछे और समाधान साझा किए। इस दौरान सभी स्कूलों के शिक्षक व विद्यार्थियों ने "तंबाकू-मुक्त" शपथ भी ली, जिससे भविष्य में इस दिशा में निरंतर प्रयास सुनिश्चित हो सके। विकल्प इंडिया सोसाइटी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव मिश्रा ने कहा, "हमारा लक्ष्य सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। जब बच्चे खुद ही तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लेंगे, तभी हम एक स्वस्थ समाज की ओर कदम बढ़ा पाएँगे।"

यह जागरूकता अभियान NTCP के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें स्कूल-प्रोग्राम,वाद विवाद प्रतियोगिता, प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑडियो वीडियो प्रशिक्षण, चित्र लेखन प्रतियोगिता, IEC गतिविधियाँ और स्थानीय स्तर पर तंबाकू-नियंत्रण कानूनों, 9 सूचकांकों की निगरानी शामिल है?। सवाईमाधोपुर जिले के सभी ब्लॉक में इस प्रकार के कार्यक्रमों का विस्तार जारी रहेगा, जिससे जिले को तंबाकू-मुक्त भविष्य की ओर ले जाया जा सके।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार
4 मार्च - 10 मार्च, 2026
जागरूक दुनिया

तेल में उछाल के बीच भारत तैयार

सरकार ने कहा, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार, चिंता की बात नहीं

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच 85 डॉलर से ऊपर निकला क्रूड ऑयल

देश में 50 दिनों तक की ज़रूरत पूरी करने लायक पेट्रोलियम भंडार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: ईरान पर हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल और लिक्विफाइड नैचरल गैस की सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। ऑस्ट्रेलिया समेत कुछ देशों में लोगों को घबराहट में पेट्रोल की खरीदारी से बचने की सलाह दी गई है। भारत में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में क्रूड ऑयल, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और घबराने की जरूरत नहीं है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का कोई विचार नहीं है। मंत्रालय ने निगरानी के लिए 24×7 कंट्रोल रूम बनाया है। रूस से पुराने अनुबंधों के तहत प्रतिदिन करीब 10 लाख बैरल तेल की सप्लाई जारी है। कई जहाज अरब सागर व हिंद महासागर में मौजूद हैं। देश में करीब 50 दिनों की जरूरत के बराबर क्रूड ऑयल उपलब्ध है। मैंगलोर, पादुर और विशाखापत्तनम सहित स्ट्रैटेजिक व कमर्शियल रिजर्व मिलाकर लगभग 10 करोड़ बैरल अतिरिक्त भंडार मौजूद है, जिससे 6-8 हफ्तों की जरूरत पूरी हो सकती है।

पहले के कॉन्ट्रैक्ट्स के आधार पर भारत में अब भी आ रहा रूसी तेल

'रोज 25-27 लाख बैरल आयात'

ईरान पर हमलों के बाद क्रूड ऑयल की कीमतों में तेज उछाल आया है। मंगलवार को कारोबार के दौरान दाम 85 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जो 2024 के बाद पहली बार है। खबर लिखे जाने तक यह सोमवार के बंद स्तर से 7.25% बढ़कर 83 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर ट्रेड कर रहा था। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कीमतें बढ़ी। ग्लोबल रियल टाइम डेटा प्रोवाइडर Kpler के विश्लेषक सुमित रितोलिया के मुताबिक भारत के कुल आयात का करीब 50% और रोज 25-27 लाख बैरल क्रूड वहीं से आता है।

'40 फीसदी आयात होर्मुज से'

अधिकारी ने कहा कि भारत के कुल तेल आयात का 40% हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता है, जबकि 60% अन्य मार्गों से पहुंचता है। पुराने अनुबंधों के तहत रूस से तेल आयात जारी है। एनर्जी सिक्योरिटी, एलपीजी और एलएनजी के मामले में देश मजबूत स्थिति में है और पश्चिम एशिया के हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंत्रालय ने पेट्रोलियम उत्पादों के भंडार की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाए है। अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो रणनीतिक और कमर्शल भंडार के उपयोग के साथ अमेरिका, रूस, पश्चिमी अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से तेल आयात की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

भारत के कुल तेल आयात का 40% हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता है। बाकी 60% अन्य मार्गों से पहुंचता है।

'भारत में 10 करोड़ बैरल का भंडार'

रितोलिया के अनुसार डेटा बताता है कि भारत के पास करीब 10 करोड़ बैरल कमर्शल क्रूड भंडार है, जो 40-45 दिन चल सकता है। होर्मुज प्रभावित रहने पर सप्लाई जोखिम बढ़ेगा। जरूरत पर एशियाई जलक्षेत्र में मौजूद रूसी तेल भारत लाया जा सकता है।

एलपीजी सप्लाई पर बढ़ेगा दबाव!

LPG के मोर्चे पर चुनौती बढ़ सकती है। भारत के 60% एलएनजी आयात होर्मुज मार्ग से आते हैं और एलपीजी की 85% जरूरत आयात से पूरी होती है। एलपीजी का अधिकांश हिस्सा वहीं से आता है। सऊदी पाइपलाइन दिक्कत से 1.20 लाख टन कमी आई है।

आयात-निर्यात पर सरकार की नजर

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने सप्लाई चेन की निगरानी के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह बनाया है। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने बताया कि बैठक में आयात-निर्यात पर संभावित असर की समीक्षा हुई। होर्मुज मार्ग पर जोखिम से शिपिंग और इंश्योरेंस लागत बढ़ने की आशंका है।

संघर्ष का क्या असर

एक्सपर्ट ने बताया किस दिशा में जा रही जंग

विश्लेषण

पश्चिम एशिया का मौजूदा संघर्ष थमता नहीं दिख रहा, बल्कि और जटिल होता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका की भूमिका कानूनी और राजनीतिक सवालों के घेरे में है, जबकि ईरान की ओर से सख्ती और नरमी- दोनों संकेत मिल रहे हैं। जंग अब साइबर हमले और सिविल ठिकानों पर निशाना साधने तक पहुंच चुकी है। एक्सपर्ट्स से हमने पूछा कि मौजूदा युद्ध किस दिशा में जा रहा है।

कूटनीति, टकराव के बीच ईरान

पश्चिम एशिया में संघर्षरत दोनों ओर से धीरे-धीरे थकान दिखेगी। अमेरिका के साथ समस्या ये है कि ये एक अवैध वॉर है क्योंकि कांग्रेस से इसे मंजूरी नहीं मिली है। अमेरिका चाहेगा कि दूसरे पश्चिमी देश उसके साथ आए वरना उस पर जबरन अतिक्रमण का आरोप लगेगा। ऐसे में अगर ईरान हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल करता है, तो डैमेज नियंत्रण से बाहर होगा। ईरान की ओर से भी दो तरह की बातें आ रही हैं, एक ओर कह रहे हैं कि बात नहीं करेंगे, दूसरी ओर नर्मी भी दिख रही है। हालात खराब है, तो युद्ध एकदम से रुकता नहीं दिखता है कुछ दिन तो और चलेगा।

अनिल त्रिगुणायत, पश्चिम एशिया के जानकार

युद्ध अब साइबर मोर्चे पर भी

साइबर अटैक इस युद्ध का अभिन्न अंग बन चुके हैं। अमेरिका-इस्राइल ने ईरान के इंटरनेट को पूरी तरह ठप कर दिया, जिसमें IRGC के कम्युनिकेशन सिस्टम, न्यूज साइट्स और क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। ईरान की ओर से भी रैनसमवेयर अटैक की चेतावनी है, जो अमेरिका और खाड़ी सहयोगियों को निशाना बना सकते हैं। गूगल के थ्रेट इंटेलिजेंस प्रमुख ने वैश्विक साइबर हमलों की आशंका जताई है। हूती और हिजबुल्लाह ने अमेरिकी बेस पर ड्रोन-मिसाइल अटैक तेज कर दिए हैं। इससे मिडिल ईस्ट में अस्थिरता चरम पर पहुंच सकती है।

अमिताभ सिंह, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

बढ़ती तीव्रता, वैश्विक असर तय

GCC यानी गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल के देश इस दिशा में सोच रहे हैं कि उन्हें ईरान के खिलाफ ऐक्शन लेना चाहिए। अमेरिका का भी दबाव है। हालांकि ईरान ना सिर्फ तेल सप्लाई बाधित करने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस क्षेत्र में अमेरिकी बेस पर हमले करने में कामयाब रहा। इस्राइल भी ईरान पर हमले कर रहा है तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इस तरह के सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका कोई इस बात का अहसास नहीं है कि ईरान शक्तिशाली है। गल्फ क्षेत्र में अगर इस संघर्ष की तीव्रता दिखती है तो असर तो दूसरे देशों पर भी पड़ेगा।

कमर आगा, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

पश्चिम एशिया में भारतीयों पर भी असर

चार घटनाओं में तीन भारतीय नाविकों की मौत, तेल मार्गों पर बढ़ा तनाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर सवार कम-से-कम तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है जबकि एक अन्य घायल है। नौवहन महानिदेशालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

महानिदेशालय के अनुसार, पश्चिम एशिया क्षेत्र में भारतीय नाविकों से जुड़ी चार घटनाओं की सूचना मिली है। सभी प्रभावित नाविक विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर तैनात थे। शेष चालक दल सुरक्षित है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वय जारी है। यह घटनाएं ऐसे समय पर हुई हैं जब अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं। अरब की खाड़ी और आसपास के मार्गों पर जोखिम बढ़ गया है, जिससे व्यापार भी प्रभावित हो सकता है।

नौवहन महानिदेशालय ने जारी किया परामर्श

क्या कहा नौवहन महानिदेशालय ने?

महानिदेशालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय ध्वज वाले जहाजों की निगरानी बढ़ा दी गई है और 24 घंटे की मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की गई है। क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन गतिविधियों की आशंका जताई गई है।

किन क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा नजर?

- अरब की खाड़ी
- होर्मुज जलडमरूमध्य
- ओमान की खाड़ी
- आसपास के समुद्री व्यापार मार्ग

इन इलाकों को वैश्विक तेल और व्यापार सप्लाई की धुरी माना जाता है। यहां किसी कोई भी तनाव सीधे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग को प्रभावित कर सकता है।

मुख्य निर्देश

- जहाज की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखें
- **नियंत्रण कक्ष से निगरानी बढ़ाएं**
- संचार प्रणाली लगातार सक्रिय रखें
- **संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें**
- चालक दल की तैनाती में सावधानी बरतें

1100 नाविक फंसे

- सैन्य संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला प्रमुख जहाजरानी मार्ग बंद हो गया है।
- इसमें 1100 से अधिक नाविकों सहित भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्र में फंसे हैं।

बोर्ड परीक्षा टली

- संघर्ष के चलते सीबीएसई ने पश्चिम एशिया में 5-6 मार्च की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी है।
- तेहरान में भारतीय दूतावास ने भारत के अधिकांश छात्रों को सुरक्षा के लिए सुरक्षित क्षेत्रों में भेज दिया गया है।

चाबहार पर जंग का साया, भारत सतर्क

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर मिसाइले हमले किए जा रहे हैं। ये मिसाइलें गोल्डन गेट कहे जाने वाले चाबहार पोर्ट के आसपास भी गिर रही हैं। इस जंग में चाबहार पोर्ट पर भी खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अगर युद्ध लंबा खिंचेगा तो चाबहार पोर्ट को भी नुकसान पहुंच सकता है, जिसमें भारत ने अरबों डॉलर का निवेश किया है।

रपटों के अनुसार, ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत का रणनीतिक निवेश सुरक्षित बना हुआ है। हाल ही में क्षेत्र में हुए मिसाइल हमलों के बावजूद, भारतीय स्वामित्व वाले शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। परिचालन निर्बाध रूप से जारी है, जिससे मध्य एशियाई व्यापार मार्गों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क सुनिश्चित हो रहा है।

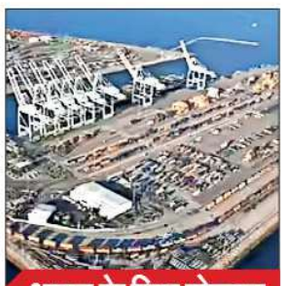

भारत के लिए गोल्डन गेट है चाबहार पोर्ट

चाहबर ईरान का भारत के सबसे निकट स्थित समुद्री बंदरगाह है। यह ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में मकरान तट पर स्थित है। यह ओमान की खाड़ी में पड़ता है। चाहबर बंदरगाह परियोजना में दो मुख्य बंदरगाह शामिल हैं-शाहिद कलंतरी बंदरगाह और शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह। भारत बेहेश्ती को ही डिवेलप कर रहा है।

कमर आगा, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

श्रीनगर पुलिस ने फर्जी समाचार और भ्रामक सूचना फैलाने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया। इलाके में सेना के जवान तैनात रहे।

जंग के बीच भारतीयों की सुरक्षा पर ज़ोर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को लेकर भारत सरकार ने गहरी चिंता जताई है और सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि 28 फरवरी 2026 को ही ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत पर भारत ने चिंता जाहिर की थी। उसी समय तनाव कम करने, हालात न बिगड़ने देने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही गई थी।

सरकार ने पश्चिम एशिया में हुई मौतों पर जताया दुख

सरकार ने अफसोस जताया कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान भी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। हाल के दिनों में संघर्ष की तीव्रता ही नहीं बढ़ी, बल्कि इसका दायरा भी दूसरे देशों तक फैल गया है। हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के बीच आम नागरिकों की जान जा रही है, रोजमर्रा की जिंदगी और आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

भारत ने स्पष्ट किया कि वह इस क्षेत्र का करीबी पड़ोसी है और पश्चिम एशिया की सुरक्षा व स्थिरता से उसके सीधे हित जुड़े हैं। खाड़ी क्षेत्र में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में वहां की किसी भी अस्थिरता से भारत उदासीन नहीं रह सकता।

सरकार ने यह भी रेखांकित किया कि भारत का बड़ा व्यापार और सप्लाई चेन इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। समुद्री मार्गों पर किसी भी तरह का व्यवधान भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डाल सकता है। भारत ने मर्चेंट शिपिंग पर हमलों का सख्त विरोध किया है और हाल में भारतीय नागरिकों की मौत और लापता होने की घटनाओं पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी। सरकार के अनुसार, प्रभावित देशों में स्थित भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास वहां रह रहे भारतीयों और सामुदायिक संगठनों के संपर्क में हैं। समय-समय पर परामर्श जारी किए जा रहे हैं और जरूरतमंद लोगों को सहायता भी दी जा रही है।

खाड़ी तनाव के बीच सागर में भारतीय पहरा

इंडियन नेवी का INS सूरत तैनात, मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट में डटे नेवी के वॉरशिप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली : यूएस-इस्राइल और ईरान के बीच जंग का असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी पड़ा है और ये शिपिंग रूट फिलहाल बंद हो गया है। होर्मुज स्ट्रेट के ईस्ट में ओमान की खाड़ी इलाके में इंडियन नेवी का वॉरशिप आईएनएस सूरत तैनात है जो वहां निरंतर पट्रोलिंग कर रहा है और हालात पर पूरी नजर रखे हुए हुए। आईएनएस सूरत की इतनी क्षमता है कि जरूरत पड़ने पर तुरंत रिएक्ट कर सकता है और मानवीय मदद भी पहुंचा सकता है। तैनाती के दौरान इंडियन नेवी के वॉरशिप मित्र देशों की नेवी के साथ वॉर एक्सरसाइज भी करते हैं और किसी तरह की समुद्री डकैती को रोकते हैं और किसी भी हादसे की स्थिति में राहत और बचाव का काम भी करते हैं।

हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है नेवी

File

ओमान की खाड़ी में ऑपरेशन संकल्प के तहत, होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से में तैनाती

INS सूरत की खासियत

- आधुनिक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर
- लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस
- एंटी-शिप मिसाइल, टॉरपीडो और उन्नत तोप प्रणाली से सुसज्जित
- हेलिकॉप्टर संचालन की सुविधा-निगरानी और पनडुब्बी रोधी अभियान में सहायक

मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट

(2017 से लागू)

2017 में भारतीय नौसेना ने शुरुआत की | दुनिया भर में 6 मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट

हर तैनाती में एक वॉरशिप हमेशा मौजूद

अदन की खाड़ी में चौकसी

INS सूरत मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट के तहत ही ऑपरेशन संकल्प में होर्मूज स्ट्रेट के ईस्ट में ओमान की खाड़ी में तैनात है। दूसरा डिप्लॉमेंट अदन की खाड़ी में है। ये भी बड़ा ट्रेड रूट है जो स्वेज कैनाल से रेड सी होते हुए गुजरता है। यहां वॉरशिप लगातार सुरक्षा देता है। तीसरा मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट शेसेल्स के पास है, जो केप ऑफ गुड होप रूट से आने वाले या फिर उस इलाके में होने वाली समुद्री डकैती को रोकने के लिए तैनात है। चौथा मालदीव के पास, पांचवां मलक्का स्ट्रेट के पास और छठा उत्तरी बंगाल की खाड़ी में है। तैनाती के दौरान इंडियन नेवी के वॉरशिप मित्र देशों की नेवी के साथ वॉर एक्सरसाइज भी करते है।

तनाव में कूटनीतिक जंग

हम ईरान के साथ अपनी पुरानी दोस्ती को महत्व देते हैं। ईरान को संप्रभुता, सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करने में समर्थन देते हैं।
-वांग यी, विदेश मंत्री, चीन

अगर फ्रांस के सहयोगी देश मदद मांगते हैं, तो हम रक्षा को तैयार है। जरूरत पड़ने पर फ्रांस हस्तक्षेप करने का अधिकार रखता है। *-जीन-नोएल बैरोट, विदेश मंत्री, फ्रांस*

युद्ध पाक की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। इस्लामी दुनिया पर जो भी बड़ी मुसीबतें आई हैं, उनमें इस्राइल का सीधा हाथ है।
-ख्वाजा आसिफ, रक्षा मंत्री, पाक

आशा करते है कि सभी पक्ष शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्ध होंगे। श्रीलंका सहित वैश्विक इकॉनमी पर प्रभाव पड़ेगा। *- अनुरा कुमारा दिसानायके, राष्ट्रपति, श्रीलंका*

खामेनेई की हत्या पर मोदी की खामोशी कर्तव्यहीनता दर्शाती है: सोनिया गांधी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की इस लड़ाई में मौत के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा है।

सोनिया गांधी ने एक लेख में आरोप लगाया कि खामेनेई की लक्षित हत्या पर प्रधानमंत्री की खामोशी कर्तव्यहीनता दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी कोई न्यूट्रल स्टैंड नहीं बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। सोनिया गांधी ने अपने लेख में उल्लेख किया कि 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की अमेरिका और इस्राइल के लक्षित हमलों में हत्या कर दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने शुरुआत में बड़े हमले को नजरअंदाज करते हुए केवल यूएई पर ईरान के जवाबी हमले की निंदा की और घटनाक्रम की पूरी श्रृंखला पर बात नहीं की।

File

चुप्पी से भारत की साख कमज़ोर: राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने खामनेई की मौत पर पीएम मोदी की चुप्पी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल ने कहा कि इस मुद्दे पर चुप्पी भारत की अंतरराष्ट्रीय साख को कमजोर करती है और भारत को अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानव जीवन की रक्षा के पक्ष में स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता एक नाजुक क्षेत्र को व्यापक युद्ध की ओर धकेल रही है। संसद में चर्चा की मांग भी की गई।

हायपरबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी (HBOT)
निम्न बीमारियों में अतिलाभदायक:
- सेरेब्रल पाल्सी, आटिज्म
- अचानक बहरापन (SNHL)
- आंतों में सूजन/घाव (Ulcers/Collitis)
- असाध्य घावों का भरना
- अम्पुटेशन में बचाव (हाईबेटिक फुट)
- मस्तिष्क चोट, पक्षघात में फायदा
- रेडियोथैरिपी के बाद
- उम्र में ठहराव (Anti-Ageing)
- बीमारियों से बचाव (Preventive)

नेशनल हायपरबैरिक्स रिसर्च सेन्टर
Site 1 : 594-B-C, जैम्स कॉलोनी, मंदिर मोड, विद्याधर नगर सैक्टर-3, जयपुर - 302039
Site 2 : फोर्टिस हॉस्पिटल, मालवीय नगर, जयपुर - 302017
फोन : 0141- 2339348, 2236895 मो.- 70737-77133, 98290-17133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल (M.B.B.S., M.D.) मो.- 99833-17133

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा